दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः सोमवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

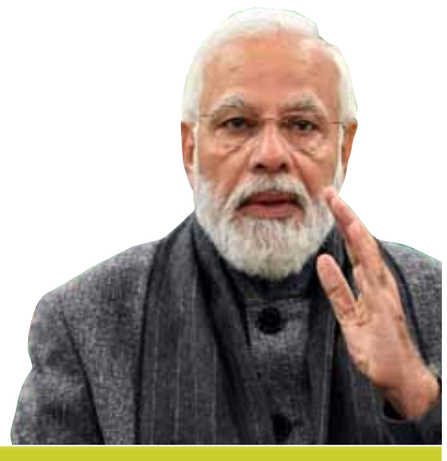

Digital Edition
www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 149 • पृष्ठ 8 • दुमका, सोमवार 29 मई 2023 • मूल्य 2 रुपये
Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

देश को समर्पित की पीएम मोदी ने नई संसद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हवन-पूजा के बाद लोकसभा में स्थापित किया सेंगोल

नयी दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नए संसद भवन का लोकार्पण कर उसे देश को समर्पित किया. वह सुबह अपने आवास 7 लोक कल्याण मार्ग से सबसे पहले नए संसद भवन के सामने बने पंडाल में पहुंचे, जहां लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने उनका स्वागत किया. यहां उन्होंने महात्मा गांधी की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की और इसके बाद हवन-पूजन में शामिल हुए. तमिलनाडु से आए अधीनम संतों ने अनुष्ठान संपन्न कराया. पीएम मोदी ने 'सेंगोल' की पूजा की और संतों के सामने साष्टांग होकर उनका आशीर्वाद लिया. अनुष्ठान में अधीनम संतों ने पीएम मोदी को 'सेंगोल' सौंपा.

नए संसद भवन का लोकार्पण और लोकसभा कक्ष में सेंगोल की स्थापना का कार्यक्रम संपन्न हो चुका है. अब दोपहर बाद समारोह का दूसरा चरण शुरू होगा, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा के उपसभापति अपना संबोधन देंगे. वे राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का संदेश भी पढ़ेंगे. इसके बाद पीएम मोदी का संबोधन होगा।देश को नया संसद भवन मिल चुका है। पीएम मोदी ने पूरे विधि-विधान से इसका उद्घाटन किया। नए भवन में लोकसभा में 888 और राज्यसभा में 384 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था है।

नया भवन हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपने को साकार करने का साधन बनेगा: पीएम मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज संसद के नए भवन का उद्घाटन किया. नए भवन में अपने पहले संबोधन में पीएम ने कहा कि यह 140 करोड़ भारतीय नागरिकों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब है. यह विश्व को भारत के दृढ़संकल्प का संदेश देता है. हमारे लोकतंत्र का मंदिर है. उन्होंने कहा कि जब भारत आगे बढ़ता है तो विश्व आगे बढ़ता है. प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की विकास यात्रा के कुछ पल अमर हो जाते हैं और आज भी ऐसा ही एक दिन है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे पास 25 वर्ष का अमृत कालखंड है. इन 25 वर्षों में हमें मिलकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है. उन्होंने यह भी कहा कि आज पूरी दुनिया भारत को आदर और उम्मीद के भाव से देख रही है. प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद भवन ने करीब 60,000 श्रमिकों को रोजगार देने का काम किया है. इनके श्रम को समर्पित एक डिजिटल गैलेरी भी बनाई गई है.

हम आज जब लोकसभा और राज्यसभा को देखकर उत्सव मना रहे हैं तो मुझे संतोष है

संक्षिप्त समाचार

सत्येंद्र जैन से अस्पताल में मिले अरविंद केजरीवाल, एलएनजेपी पहुंचकर जाना हाल

नयी दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्तपताल (एलएनजेपी) अस्पताल में भर्ती दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन से मुलाकात की। अरविंद केजरीवाल ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्तपताल पहुंचते ही सत्येंद्र जैन को गले लगा लिया। इस दौरान सीएम केजरीवाल ने सत्येंद्र जैने से उनका हाल जाना। मुलाकात के बाद ट्वीट करते हुए अरविंद केजरीवाल ने अपने पूर्व मंत्री के बारे में लिखा है– 'आज मैं एक बहादुर शख्स से मिला जो आज के दौर का हीरो है'। सत्येंद्र जैन बुधवार को तिहाड़ जेल के बाथरूम में गिर गए थे। चक्कर आने के कारण वह गिरे थे। इसके बाद जेल प्रशासन ने उन्हें पंडित दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया था। हालत बिगड़ने पर एलएनजेपी ले जाया गया था। बता दें कि दो दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 6 सप्ताह यानी 42 दिनों के लिए जमानत पर छोड़ा है।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
61,981.79+18.11 (0.029%)

निफ्टी
18,348.00+33.60 (0.18%)

नए संसद भवन जा रहे पहलवानों को हिरासत में लिया, जंतर-मंतर से पुलिस ने उखाड़े तंबू

नयी दिल्ली/एजेंसी।

भारतीय कुश्ती महासंघ अध्यक्ष के खिलाफ धरने पर बैठे पहलवानों ने नए संसद भवन के सामने प्रदर्शन करने का ऐलान किया है. इसके चलते दिल्ली पुलिस ने राज्य में सुरक्षा बढ़ा दी है. राज्य की सीमाओं को सील कर दिया गया है. करीब एक महीने से धरने पर बैठने पहलवानों ने शनिवार को ऐलान किया कि नई संसद के सामने एक महिला महापंचायत किया जाएगा. एक तरफ आज नए संसद भवन का उद्घाटन कार्यक्रम चल रहा है. वहीं दूसरी तरफ दिल्ली पुलिस पहलवानों, खाप पंचायत के लोग और किसानों को नई संसद भवन के आसपास नहीं आने देने की पुरजोर कोशिश में जुटे हुए हैं.

बता दें कि प्रदर्शनकारी पहलवान सात महिला पहलवानों का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोपों को लेकर भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं. नई संसद के सामने महिला महापंचायत कराने के ऐलान के बाद दिल्ली-यूपी बॉर्डर, दिल्ली–रियाणा बॉर्डर पर पुलिस ने चौकसी बढ़ा दी है. सड़कों पर बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की चेकिंग की जा रही है. वहीं मेट्रो में भी चौकसी बढ़ाते हुए आवाजाही के केंद्रीय सचिवालय और उद्योग भवन मेट्रो स्टेशनों के सभी एंट्री-एग्जिट दरवाजे बंद कर दिये हैं. हालांकि केंद्रीय सचिवालय पर इंटरचेंज की व्यवस्था जारी है.

पहलवानों को हिरासत में लिये जाने के बाद जेएनयू के छात्र भी उनके समर्थन में उतर आए हैं. आइसा कार्यकर्ता गंगा ढाबा पर एकत्रित होकर नारेबाजी कर रहे हैं.

दिल्ली समेत उत्तर भारत में भूकंप के झटके

नई दिल्ली/एजेंसी।

अफगानिस्तान - पाकिस्तान की सीमा पर रविवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं. जिसका असर दिल्ली समेत उत्तर भारत कई इलाकों में दिखा है. रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.2 बताई जा रही है. दिल्ली और आसपास के इलाकों में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए. किसी के घायल होने या नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है. पंजाब और हरियाणा के कई हिस्सों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए. भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, रविवार सुबह अफगानिस्तान के फैजाबाद के पास 5.2 तीव्रता का भूकंप आया. एजेंसी ने कहा कि भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के फैजाबाद से 79 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व (एसई) में था.

भूकंप सुबह 11 बजकर 19 मिनट पर सतह से

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट

राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

समिति ने घूम-घूम कर 150 लोगों को भोजन कराया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। जय माता दी सेवा समिति द्वारा हर रविवार भोजन सेवा के तहत भोजन सेवा में राजमा,चावल,चिप्स, आचार का भोजन अध्यक्ष राजेश कुमार राउत के घर से स्वनिर्मित भोजन,शहर के टाटा शोरूम, टीन बाजार, धर्म स्थान,वीर कुंवर सिंह चौक,डी सी चौक, बस स्टैंड, पोखरा चौक इत्यादि जगहों पर कार से घूम घूम कर लगभग 150 लोगों को भोजन कराया गया ।साथ ही डंगाल पाडा स्थित ब्लाइंड स्कूल हास्टल में भी सभी को भोजन दिया गया। आज सही में कुछ दिव्यांगो
को खाना खिला कर मन को बहुत संतुष्टि मिला । इस कार्यक्रम से मन को बहुत शांति मिलती हैं और ये कार्यक्रम 1 जनवरी 2022 से लगभग प्रत्येक रविवार लगातार होता आया है ये कार्यक्रम अभी निरंतर चले ऐसा प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में अध्यक्ष राजेश कुमार राउत, अशोक राउत , संदीप कुमार जय बमबम,बिक्रम कुमार डांस मार्स्ट ,कल्याण मित्रा,संतोष ठाकुर इत्यादि लोगों का कार्य सहयोग रहा।

जिला शिक्षा अधीक्षक ने जारी किया दिशा-निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। जिला शिक्षा अधीक्षक सह अपर जिला शिक्षा कार्यक्रम पदाधिकारी झारखंड शिक्षा परियोजना दुमका ने चिंता जाहिर करते हुए स्कूली बच्चों का छिजन दर कम करने के लिए आवशयक कदम उठाने को लेकर प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सह समन्वयक प्रखण्ड संसाधन केंद्र जामा सहित जिले के अन्य सभी प्रखंडों के लिए निर्देश जारी किया है।जारी दिशा निर्देश में कहा गया है कि विद्यालयों में छीजन एक बड़ी समस्या है जिसे रोकने के लिए सार्थक प्रबंध करने की आवशयकता है इसके लिए सभी विद्यालयों में एक पंजी संधारण करने का निर्देश दिया गया हैं जिसमें अपने पोषक क्षेत्र का विवरण,टोला वार बच्चों की संख्या,नामांकित बच्चों की संख्या,पिछले एक माह से नियमित बच्चों का विवरण एवं पोषक क्षेत्र में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का पूर्ण विवरण दर्ज करने का निर्देश दिया गया है।इसके अलावा बताया गया है कि अध्ययनरत छात्रःछात्राओं की संख्या को कार्यरत शिक्षक के साथ भाग देते हुए हाऊस निर्माण करते हुए संबंधित शिक्षक को हाऊस लीडर घोषित करेंगे। प्रत्येक हाऊस की जिम्मेदारी होगी कि अपने नियमित एवं अनुपस्थित बच्चों की सूची विद्यालय प्रधान को अवगत कराएंगे।

सीलिंग फैन से फंदा लगाकर कर ली आत्महत्या

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत शहर जोड़ी गांव के 22 वर्षीय इमाम अंसारी ने रविवार के सुबह अपने घर के अंदर सीलिंग फैन से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार सुबह 3 बजे तक वह ठीक ठाक था।आत्महत्या के कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलने पर पहुंची शिकारीपाड़ा पुलिस ने लाश को कब्जे में ले लिया है।समाचार लिखे जाने तक पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

आम आदमी पार्टी ने की बैठक,जून में दुमका में कार्यकर्ता सम्मेलन कराने का लिया निर्णय

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। रविवार को दुमका जिला आम आदमी पार्टी के कार्यकारणी समिति की बैठक जिला अध्यक्ष अश्विनी मिश्रा की अध्यक्षता में उनके आवासीय कार्यालय में आयोजित की गयी जिसमे जून महीने में दुमका में कार्यकता सम्मेलन कराने का निर्णय लिया गया।
इस बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि 31 मई को रांची में पार्टी की प्रस्तावित कायक्रम में दुमका से दर्जनों कार्यकता भाग लेंगे।इस अवसर पर बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अश्विनी मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय मे आम आदमी पार्टी ही झारखण्ड में राजनीतिक विकल्प के रूप में काम कर रही है।दुमका जिले सहित पूरे राज्य में पार्टी का संगठन मजबूती के साथ जनहित के कार्यो को अंजाम दे रही।है।हम जनसमस्याओं को लेकर लोगो को जागरूक कर रहे है।दिल्ली व पंजाब मॉडल पा झारखण्ड की जनता दिलचस्पी दिखा रही है।इस बार विधानसभा चुनाव में एक तीसरे विकल्प के रूप में उभरेंगे।
कार्यकम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश उपाध्यक्ष ब्यास उपाध्याय ने कहा कि आम आदमी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में बिना किसी गठबंधन के सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी।पंजाब की तरह झारखण्ड में भी पार्टी एक नया कृतिमान स्थापित करेगी।श्री उपाध्याय ने कहा कि दुमका के प्रस्तावित सम्मेलन में प्रदेश संयोजक श्री डी एन सिंह एव प्रदेश प्रभारी भी भाग लेंगे। बैठक में प्रदेश विस्तारित कमिटी की सदस्य एव पूर्व प्रत्याशी मीरू हासदा,पूर्व प्रत्याशी उपेंद्र नाथ मंडल,जनजातीय मोर्चा के जिला अध्यक्ष रूसिलाल टूडू,युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेंद्र हैम्बरम,अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष मो लतीफ अंसारी,महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष अनिता टूडू दुमका प्रखंड अध्यक्ष मो उस्मान अंसारी,मो रहमान अंसारी,पार्टी के वरिष्ठ कार्यकता देबू देहरी,संतोष कुमार सोरेन,अग्नितुस सोरेन,प्रदीप मरांडी,दिलीप सोरेन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित हुए।

लंबे समय से बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले 13 विद्युत उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन विच्छेद

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। रविवार को सरैयाहाट प्रखंड के चोराजोर गांव में विद्युत विभाग ने बिजली चोरी की रोकथाम के लिए छापेमारी अभियान चलाया।इस दौरान लंबे समय से बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले 13 विद्युत उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन विच्छेद कर दिया गया।
मामले को लेकर विद्युत कर्मी सारणी पुरुष एवं भोला प्रसाद ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्युत आपूर्ति विभाग सरैयाहाट के कनीय अभियंता सत्य नारायण भोक्ता के निर्देश पर चोराजोर गांव में छापेमारी की गयी।
बताया कि महेश साह ने 17671 रु, बैकुंठ नाथ साह ने 15942 रु, वैकुंठ साह ने 18991 रु,रोशन ठाकुर ने 26186,उगन महतो ने 19272, उमेश प्रसाद साह ने 13162,सुरेश साह ने 8504,किशोर प्रसाद साह ने 16627,गोमोरी साह ने 21741, झारखंडी साह ने 17319,अरविंद साह ने 15043,विजय साह ने 18960,अजीत साह ने 10913 रुपये का बिजली बिल लम्बे समय से बकाया रखा है जिसके कारण सभी का विद्युत कनेक्शन विच्छेद कर दिया गया है।साथ ही बिजली बिल का भुगतान करने के लिए कहा गया है।
वहीं छापेमारी के दौरान कुल 66700/ का राजस्व संग्रह हुआ है।छापेमारी दल में भोला प्रसाद, प्रमोद यादव, शिव कुमार, ऊर्जा मित्र नवल सहित अन्य मौजूद थे।

बीस दिनों से पेयजल आपूर्ति ठप्प,आक्रोशित ग्रामीणों ने दी सड़क पर उतरकर आंदोलन की चेतावनी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। हैप्पी क्लब शिकारीपाड़ा के अध्यक्ष विकास कुमार भगत की अध्यक्षता में आज रविवार को शिकारीपाड़ा विवाह भवन में पेयजल की गंभीर होती समस्या को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों द्वारा बताया गया पिछले 20 दिनों से शिकारीपाड़ा में पेयजल आपूर्ति ठप्प है।ग्रामीणों को पानी के लिए दूरदराज के जलश्रोतो पर जाना पड़ता है।बताया कि उप विकास आयुक्त, बीडीओ एवं कार्यपालक अभियंता पेयजल स्वच्छता विभाग दुमका को भी इस विकट समस्या से अवगत कराया गया है परंतु अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।वर्तमान में प्रखंड मुख्यालय स्थित शिकारीपाड़ा पंचायत में पांच जल मीनार खराब है। जलमीनार की मरम्मत हेतु कई बार ग्रामीणों द्वारा प्रखंड एवं जिला प्रशासन को आवेदन दिया गया परंतु इस दिशा में किसी प्रकार की पहल नहीं की गई।विकास कुमार भगत ने कहा डीएमएफटी फंड एवं पेयजल स्वच्छता विभाग के पास राशि उपलब्ध रहते हुए भी शिकारीपाड़ा पाइपलाइन एवं जलमीनारों की मरम्मत ही नहीं की जा रही है,अगर उपरोक्त समस्या का समाधान 10 दिनों के अंदर नहीं किया जाता है तो हम ग्रामीण मजबूर होकर सड़क पर उतरकर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।बैठक में संजोग सिंह,बाल गोविंद राय,जय कांत भगत,मनोरंजन पाल, राकेश कुमार पाल,पूरन पाल, रामलाल टूडू,प्रदीप केवट,अर्जुन सिंह,मोहन साहा,मंकीर अंसारी, देवदास नायक,अंजन दियासी,सूरज कुमार पाल इत्यादि ग्रामीण मौजूद थे।

दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत, उग्र ग्रामीणों ने पानी टैंकर में लगाई आग

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । मुफस्सिल थाना क्षेत्र के आसनसोल गांव के समीप सड़क दुर्घटना में कल देर रात एक व्यक्ति की मौत हो गयी. जिसके बाद सुबह से ही ग्रामीणों ने गुस्से में सड़क जाम कर दिया और पानी के टैंकर को आग लगा दिया गया. फिलहाल मुफ्पसिल थाना की पुलिस पूरे मामले को शांत कराने में जुटी हुई है.बता दें कि मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के नावाडीह गाँव के रहने वाले लालू राय नाम का व्यक्ति कल देर रात आसनसोल गाँव से नावाडीह गांव अपने घर जा रहे थे. उसी दौरान आसनसोल गाँव के समीप सड़क निर्माण के लिए रखे बोल्डर से टकरा गये और गंभीर रूप से घायल हो गया. जिसके बाद ग्रामीणों द्वारा उन्हों घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया. लेकिन अस्पताल ले जाने के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई. व्यक्ति के मौत के बाद गुसाये ग्रामीण ने मुआवजा की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया. और सड़क किनारे रखे कंस्ट्रक्शन कंपनी के पानी के टैंकर को आग के हवाले कर दिया.
घटना स्थल पर पहुँचे जिला परिषद उपाध्यक्ष, एसडीपीओ और मुफ्फसिल थाना पुलिस उग्र ग्रामीण को समझाने की कोशिश कर रहे थे. लेकिन उग्र ग्रामिण मुआवजे की मांग को लेकर अडिग है.

आतो लाहांती (ग्राम- विकास) समिति की बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। गोपीकांदर प्रखंड क्षेत्र के शिलंगी मोड़ पर रविवार को देवेंद्र देहरी की अध्यक्षता में आतो लाहांती (ग्राम- विकास) समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा के विस्तार पर चर्चा की गई।कहा कि प्रखंड के कुछ गांव आज भी शिक्षा से कोसो दूर हैं उन तक जमीनी स्तर तक शिक्षा कैसे पहुँचे और इसके लिए क्या करना होगा इस विस्तार से विचार विमर्श किया गयोमौके पर देवेंद्र देहरी,गणेश देहरी,सोन देहरी,रमेश देहरी,प्रेम हाँसदा,मदन राय,अनु देहरी,दिनेश्र्व देहरी उपस्थित थे ।

लायंस क्लब दुमका के नवनिर्मित भवन लायंस सेवा सदन का किया गया विधिवत उद्घाटन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। लायंस क्लब दुमका संथाल परगना द्वारा डंगालपाड़ा स्थित क्लब के नवनिर्मित भवन लायंस सेवा सदन का बड़े ही हर्षोल्लास के साथ विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद क्लब के जिला पाल लायन एम जे एफ एवं लायन विवेक चौधरी के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों को मुख्य अतिथि ने संबोधित करते हुए कहा कि लायंस सेवा सदन क्लब का स्थाई परियोजना है। जिसका उद्घाटन करने का अवसर हमें प्राप्त हुआ है, यह हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। मैं क्लब द्वारा किसी भी बड़े परियोजना के लिए लायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा आवंटन उपलब्ध करवाउंगा। जिससे कि अति पिछड़े असहाय लोगों को क्लब द्वारा निशुल्क सेवा दी जा सके। क्लब के अध्यक्ष लायन डॉक्टर पवन केशरी ने कहा कि लायंस सेवा सदन की परिकल्पना वर्षों पूर्व की गई थी, आज हम लोगों का सपन पूरा हुआ। लायन सेवा सदन बहुउद्देशीय भवन है,जिसमें कई तरह के स्वास्थ्य सेवाएं,खासकर नेत्र से संबंधित निःशुल्क इलाज किया जाएगा और इस भवन को विस्तार कर निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया जाएगा। जो यहां के गरीब लाचार लोगों के लिए लाभकारी होगा। क्लब के सचिव लायन डॉक्टर मनोज कुमार घोष ने क्लब द्वारा किए गए सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इनके अलावा लायन विष्णु कुमार मेहरिया,लायन अमिता रक्षित, देवघर क्लब के सदस्य लायन उदय शंकर झा,लायन नीलम झा ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया। क्लब द्वारा लायन राकेश सिंघानिया, राम अवतार सिंघानिया,नारायण हिम्मतसिंहका,लायन मुकेश कुमार अग्रवाल,लायन प्रदीप्तो मुखर्जी, लायन राजेश कुमार चौरसिया,लायन डॉ पवन केसरी,लायन डॉ मनोज कुमार घोष,लायन नीरज कोठरिवाल,लायन चंद्रशेखर पोद्दार एवं लायन सतीश कुमार को भवन निर्माण में आर्थिक सहयोग देने हेतु मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। समारोह में उपस्थित लोगों का स्वागत भाषण लायन प्रदीप्तो मुखर्जी ने किया। मंच संचालन व धन्यवाद ज्ञापन लायन रमण कुमार वर्मा ने किया। समारोह में मुख्य रूप से लायन अखिलेश कुमार सिन्हा, लायन संजीव कुमार,लायन राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता,लायन संजीव गुप्ता, लायन डॉक्टर शमीम अंसारी, लायन संदीप कुमार पटवारी,लायन चंदन कुमार साह,लायन सीमा घोष,लायन अर्चना केशरी,लायन अशोक कुमार, लायन सदाशिव गुप्ता,लायन रंजीता साह,लायन सुनील कुमार जायसवाल,लायन मधुकर दत्ता, लायन शम्भू कुमार साह,लायन अमुल पाल,राजेंद्र प्रसाद साह,पी के त्रिवेदी, अनुपमा वर्मा,प्रफुल्ल कुमार,खुशी कुमारी,उन्नति प्रिया शहर के गणमान्य लोगों के अलावे क्लब के अन्य सदस्य मौजूद थे।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर महाजनसंपर्क अभियान की तैयारियों में जुटे भाजपा: अनवर हयात

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़: देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर होने वाले महाजनसम्पर्क अभियान की तैयारियों को लेकर अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जनाब अनवर हयात, अल्पसंख्यक मोर्चा संथाल परगना प्रभारी रिंकू शेख के उपस्थिति में भाजपा के सभी मोर्चों के पदाधिकारिओं के साथ संयुक्त रूप से भाजपा जिला कार्यालय पाकुड़ भाजपा जिलाध्यक्ष अमृत पांडेय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित किया गया। भारतीय जनता पार्टी के सातों मोर्चा की संयुक्त विधानसभा स्तरीय सम्मेलन पाकुड़ जिले के 3 विधानसभा में आगामी 12, 13 एवं 15 जून को होना तय हुआ है। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी की सरकार में अल्पसंख्यक समुदाय को सबसे लाभ मिला है। जिस प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि इत्यादि सभी लाभ जब अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को मिला है तो निश्चित रूप से अब अल्पसंख्यक समुदाय को भी भारतीय जनता पार्टी को समर्थन देना चाहिए और भारतीय जनता पार्टी के साथ जोड़कर उनको आगे बढ़ाना चाहिए। बैठक में प्रदेश मंत्री भाजपा मिस्त्री, सोरेन, प्रदेश कार्य समिति सदस्य मीरा प्रवीण सिंह, नगर परिषद पाकुड़ की निवर्तमान अध्यक्ष सम्पा साहा अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य दानिएल किस्कु, साहेब हंसदा, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष मुख्तार अंसारी, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष सुबोध मंडल,ओ बी सी मोर्चा जिला अध्यक्ष रवि जयसवाल, अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला अध्यक्ष जोगेश टुडू जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय, दिलीप सिंह, युवा मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रसनना मिश्रा, जिला मंत्री जामु मरांडी,पार्वती पासवान, किसान मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सबरी पाल एवं मंडल अध्यक्ष, सम्मानित नेतागण एवं जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुआ। बैठक में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा पाकुड़ प्रखंड दर्जनों अल्पसंख्यकों के दुसरे पार्टी को छोड़कर भाजपा का सदस्यता ग्रहण किया। वही लिट्टीपाड़ा भाजपा मंडल अध्यक्ष शिव प्रसाद पहाड़िया के अध्यक्षता में बुथ नंबर 41 पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी की 101 वी मन की बात कार्यक्रम को कार्यकर्ताओं संग सुना मोदी जी ने कहा देश के 75 जिलों में अमृत सरोवर बनाया जा रही है, जिसमें 50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर बनाए गए हैं,जिससे जल से जुड़े स्टार्टअप सामने आए. बिना पानी का विकास संभव नहीं पानी को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए. साथ ही मोदी जी ने कहा विविधता ही भारत की ताकत है,मोदी जी का संकल्प नए भारत का उदय, मोदी का मन की बात कार्यक्रम को सुनते हुए भाजपा लिट्टीपाड़ा प्रखंड महिला प्रभारी अनिता मुर्मू, बामू पहाड़िया,मुन्ना पहाड़िया, पीटर सोरेन, माइकल किस्कू, गोबिंद पहाड़िया, सुरज पहाड़िया, रामा पहाड़िया और आम जनता के साथ सुना गया।

संक्षिप्त समाचार

जिला परिषद का उदासीनता का शिकार बना हुआ है शौचालय शोभा की वस्तु बन कर रह गई है

पाकुड़: (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । जिला परिषद के द्वारा सदर अस्पताल सोनाजोरी के मेन गेट के पास सामुदायिक शौचालय का निर्माण करा तो दिया, लेकिन शौचालय में तो पानी की व्यवस्था है और ना ही शौचालय खुल रहा है। मरीजों, राहगीरों एवं ग्रामीणों को काफी परेशानी होती है। इस पर ध्यान देने वाला कोई नहीं है। खुले में शौच मुक्त करने को लेकर शौचालय निर्माण कराया गया लेकिन शौचालय में तो पानी की व्यवस्था नहीं है, और शौचालय बंद है तो लोगों कैसे शौच मुक्त होगा? जिला परिषद का उदासीनता का शिकार बना हुआ है। शौचालय शोभा की वस्तु बन कर रह गई है। ग्रामीणों एवं राहगीरों ने बताया कि जिला परिषद के द्वारा शौचालय तो बना दिया लेकिन पानी की व्यवस्था नहीं है इसलिए लोग खुले में शौच करने को मजबूर है. ग्रामीणों ने बताया कि सामुदायिक शौचालय मात्र शोभा की वस्तु बनकर रह गई है मिली जानकारी के अनुसार शौचालय में हमेशा ताला लगाया कर रखा करता है।
इस मामलें में डीडीसी शाहिद अख्तर ने बताया की शौचालय बंद की जानकारी नहीं है बंद क्यों है इसकी जाँच कर इस पर कार्रवाई की जाएगी.

सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना एवं कन्यादान योजना के तहत आवेदन जमा करें: पर्यवेक्षिका

पाकुड़: (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । पाकुड़िया प्रखंड में सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना एवं कन्यादान योजना के नये लाभुकों को अपना अपना आवेदन अविलंब बाल विकास परियोजना कार्यालय में जमा करने का निर्देश आईसीडीएस पर्यवेक्षिका अगाथा हांसदा ने प्रखंडवासियों को दिया है। बाल विकास परियोजना कार्यालय में इस बाबत जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि लाभुक बच्चियां एवं छात्राएं आवेदन के साथ बच्ची का आधार एवं बैंक खाता तथा उसकी मां का आधार एवं वोटर कार्ड संलग्न करने का निर्देश दिया है। इसके लिये कोई उम्र सीमा नही है लेकिन बच्ची को स्कूल में वर्ग अष्टम से बारहवीं तक नामांकित होना चाहिए। वहीं जिसकी उम्र 18 से 19 वर्ष के बीच है उसको भी सावित्री बाई फुले योजना का लाभ मिलेगा। इसमें छात्रा को सरकार से 20 हजार रुपये की सहायता दी जायेगी। इसमें वोटर कार्ड एवं उम्र प्रमाणपत्र जमा करने की जरूरत है। साथ ही बच्ची का आधार, वोटर कार्ड एवं बैंक खाता सहित उसकी मां का वोटर कार्ड एवं आधार कार्ड भी जमा कराना जरूरी है। इन कागजातों को भरने में सेविकाओं का सहयोग लेकर इसे कार्यालय या सेविका के पास जमा करें। उन्होंने सभी बच्चियों एवं छात्राओं से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

कोल कंपनी से चलने वाले ट्रक में रेट में इजाफा नहीं होने पर ट्रकों का परिवहन अनिश्चितकालीन रहेगा बंद

पाकुड़: (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । लड्डूबाबू आम बगान में ट्रक एसोसिएशन की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष प्रदीप कुमार टेबरीवाल ने किया। इस दौरान दर्जनों की संख्या में ट्रक मालिक शामिल हुए। उन्होंने कहा कि हम ट्रक मालिक कोल माइंस के बीजीआर एवं डीबीएल कंपनी को कोयला ढुलाई को लेकर हाईवा दिया हुआ है। कंपनी के पदाधिकारी को लगातार भाड़ा बढ़ाने की बात कही जा रही है लेकिन अब तक भाड़ा नहीं बढ़ाया गया है. जिस कारण वाहन मालिकों को वाहन चलाने में परेशानी हो रही है। कम्पनी की ओर से पर टन 270 रुपया दिया जाता है जबकि हमारी मांग है कि इसे बढ़ाते हुए 450 रुपया दिया जाय। कोयला को अमड़ापाड़ा कोल माईनिंस से लाया जाता है और रास्ते में ही कोयला को उतार लिया जाता है जिस कारण कोयला का टन घट जाता है और वाहन मालिक को कम राशि मिलने से वाहन चलाने में परेशानियां हो रही है। बैठक के बाद एसोसिएशन के लोगो ने बीजीआर और डीवीएल कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक की बैठक में रेट को लेकर वार्ता विफल हो गया कंपनी 285 रुपये टन देने की बात कह रहे है। एसोसिएशन ने जब तक रेट में इजाफा नहीं होती तब तक ट्रको का परिवहन अनिश्चितकालीन बंद रहेगा।
इस डीबीएल के एचआर प्रिस कुमार ने बताया की बीते शनिवार शाम से कोयले का परिवहन ठप है. ट्रांसपोर्टरों के द्वारा भाड़ा बढ़ोतरी को लेकर ट्रांसपोर्टरों ने कोयले का परिवहन बंद कर दिया है. जिससे सरकार को 15 करोड़ का राजस्व और कोल कंपनी का 10 करोड़ रुपया प्रतिदिन नुकसान हो रहा है। बाकी ट्रांसपोर्टरों के भी नुकसान हो रहा है। जल्द ही ट्रांसपोर्टरों के हित पर निर्णय लिया जाएगा और कोयले का परिवहन चालू कर दिया जाएगा.

ठाकुर अनुकूल चन्द्र के अनुयायियों ने किया दीक्षा समारोह का आयोजन

देवीपुर। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। प्रखंड क्षेत्र अन्तर्गत झुंडी पंचायत के भुलियामारनी गांव में ग्राम प्रधान संघ के प्रखंड अध्यक्ष बरूण राय और सांसद प्रतिनिधि अविनाश महतो के आवास पर ठाकुर अनुकूल चन्द्र के अनुयायियों ने गुरूवार दीक्षा समारोह का आयोजन किया गया।आदिवासी समुदाय समेत विभिन्न वर्ग के लोगों को गुरू अनुकूल ठाकुर के पदचिन्हों चलने चलने का संकल्प दिलाया।विगत तीन वर्षो से भुलियामारनी गांव में इस प्रकार का आयोजन किया जा रहा है।पुराने और नये सदस्यों को गुरू अनुकूल चन्द्र ठाकुर के चित्र पर माल्यार्पण कर गुरूसंदेश ग्रहण किया।मौके पर डा० मनोरंजन साहू,डा०कृति मंडल, चन्द्रशेखर महापात्रा,कुमकुम मंडल, मीनू विश्वास, प्रीति गुप्ता,अर्जुन श्रीवास्तव, सोनाली पात्रा,लिपिका चौधरी,अनिता चांद, चुमकी दास,सुमन साहा,मनीष पाठक,विजय प्रकाश, शुभ मंडल, केएस मंडल, अविनाश महतो,बरूण राय आदि दर्जनों लोग मौजूद थे।

लायन डिस्ट्रिक्ट 322 ई का 4वीं कैबिनेट बैठक आयोजित की गई

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़: रविवार को सुबह 11 बजे से होटल आरके पैलेस में लायन डिस्ट्रिक्ट 322 ई का 4वीं कैबिनेट बैठक आयोजित की गई. जिसमें डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मधेश्वर सिंह, बिनोद अग्रवाल, प्रकाश नंदा, राजीव रंजन सिंह, अनूप गाड़िया, संजय सिंह, गोपाल खेत्रीवाल, उज्जैन जैन, प्रमोद शर्मा ने आकर प्रथम बार पाकुड़ में कैबिनेट की बैठक आयोजित किया. जिसमे डिस्ट्रिक्ट के पिछले कार्यो को मंजूरी दी गई और आने वाले समय के कार्यक्रम की रूपरेखा तय किया गया. समाज को डिस्ट्रिक्ट 322 ई की और से और सेवा की जा सकती हैं। इस अवसर पर पाकुड़ क्लब के बृजमोहन साह, मंजीत रजक, प्रमोद डोकानिया, निर्मल जैन, सुशील शर्मा, प्रेम भगत, नारायण प्रसाद, डॉ बिंदु भूषण, डॉ एस एन साह, प्रबीर भट्टाचार्य, अजय जैस्वाल, संतोष केजरीवाल, संजय विश्वास, बीरेंद्र पाठक, अमित चौबे, जयंत चक्रबर्ती, महेश पटेल, मोहित जैन, पंकज रक्षित, राजू लखमानी, डॉ एस पी भगत ने कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग दिया।

झारखंड बंगाली समिति द्वारा किया गया रवीन्द्र नजरुल संध्या का आयोजन

मधुपुर। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । मधुपुर शहर के पंच मंदिर रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में विश्वकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर की एक सौ बाषठवी तथा बंगला देश के राष्ट्रीय कवि काजी नजरुल इस्लाम की एक सौ चौबीसवी जयंती के उपलक्ष में आज 'रविन्द्र नजरुल संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम झारखंड बंगाली समिति द्वारा शहर के पंचमंदिर रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजन किया गया ।कार्यक्रम का शुभारम्भ उपस्थित लोगों ने द्वीप प्रज्वलित कर बारी बारी से दोनो कवियो को माल्यार्पण तथा चरणों में पुष्प अर्पित कर किया ।तत्पश्चात समिति के अध्यक्ष डाःआशीष कुमार सिन्हा अपने सम्भाषण मे कहा -टैगोर अपने उपन्यास मे मध्यम वर्गीय समाज विशेष रूप से उजागर हो इसपर ज्यादा ध्यान दिए।रविन्द्र नाथ टैगोर ने अपनी कविताओं में प्रकृति से आध्यात्मवाद तक के विभिन्न रसो को बखूबी उकेरा है। वह मनुष्य मात्र के स्पंदन के कवि थे।प्रदेश अध्यक्ष विद्रोह कुमार मित्रा ने कहा-गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और भारतीय साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता है।बंगला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना मे नयी जान डालने वाले युगद्दष्टा वे ही थे।आज के इस कार्यक्रम में बच्चो ने रविन्द्र नृत्य, नजरुल द्वारा लिखी कविता पाठ किया ।महिलायें सामुहिक गीत और एकल गीतों से कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को मंत्र मुग्ध किया ।धन्यवाद ज्ञापन करते हुए मिन्टू धोष ने कहा-आज के इस कार्यक्रम को देखते हुए यह कहना प्रासंगिक हैं कि विश्वकवि रविन्द्र नाथ टैगोर तथा नजरुल इस्लाम बंगाली जनमानस के हृदय में सदैव थे और रहेंगे ।कार्यक्रम में डाःशुखेन्द्र देव मन्ना,प्रदीप भादुड़ी, शान्ति रंजन मुखर्जी, अमूल्य दे,कृष्णा दास,अमित दे,दिलीप राय, लखीरानी दास,छोबी बोस,अनिता बनर्जी, माया गांगुली,टुमपा बनर्जी,सुष्मिता चक्रवर्ती,मिठु दत्ता, लिपिका दास,सोमा दत्ता,साधना मुखर्जी, मणीमाला मित्रा, के साथ अन्य सभी लोग थे।

आस्था और विश्वास के साथ जामपुर में आयोजित हुआ चरक मेला

50 फुट ऊपर से घूमे गुरु बाबा का शिष्य, प्राचीन परंपरा है गांव का

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

हिरणपुर(पाकुड़): हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत जामपुर गांव के स्कूल मैदान मैं आस्था और विश्वास के साथ धूमधाम से मनाया गया चड़क मेला। मेले में काफी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष बच्चे एवं दूरदराज से लोग मेला का आनंद लेने हेतु आदिवासी समाज ही नहीं गैर आदिवासी भी मेला में पहुंचे और मेला का आनंद उठाया। मेला में मुख्य आकर्षण रहा गुरु बाबाओं द्वारा अपने चेलों एवं बच्चों को बांधकर करीब 50 फीट ऊपर से घुमाया जाता है बच्चे बिना डरे बांस में घूमते हैं। गांव के गुरु बाबा शामयल हांसदा ने बताया कि यह मेला प्रतिवर्ष की तरह इस साल भी मेला का आयोजन किया गया। यह मेला शदियों से जामपुर में लगाया जाता है, गांव में चड़क मेला लगाने से गांव में किसी भी तरह का विपत्ति महामारी या बीमारी और किसी भी तरह का प्राकृतिक आपदा गांव में नहीं आता है, मान्यता यह भी है की मेला लगने से बारिश की संभावना भी रहता है, बारिश होने से किसान अपना खेती-बाड़ी का शुरुआत करते हैं।

विश्वजीत गोराई की पूर्व ससुराल वाले ने की निर्मम हत्या, दो आरोपी को पुलिस ने धर दबोचा

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़: जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के सीमावर्ती गाँव महेशपुर अंतर्गत बासमती में दिन दहाड़े शरेआम एक युवक की दौड़ाकर चाकू और अन्य धारदार हथियार से मौत के घाट उतार दिए जाने की घटना सामने आई है। यह सनसनीखेज घटना रविवार को करीब साढ़े आठ बजे घटित हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रविवार सुबह जब हरीशपुर निवासी चन्दन मंडल का दमाद विश्वजीत गोराई अपनी पत्नी प्रियंका कुमारी के साथ भौंरी मंदिर पूजा करने हेतु अपनी बाइक से जा रहे था। बासमती निवासी सीताराम मंडल, सीताराम मंडल के पुत्री लखी देवी, सीताराम मंडल का दमाद वीरू मंडल एवं बीरू मंडल के पुत्र देव मंडल ने मृतक के साथ हाथापाई शुरू कर दी। चाकू से विश्वजीत गौराई को 25 से 30 वार कर हत्या कर फरार हो गया। ज्ञात हो कि मृतक विश्वजीत गौराई बीरू मंडल पूर्व दामाद था। वीरू मंडल की पुत्री की भी हत्या कुछ वर्षों पूर्व हुई थी। झगड़े के दौरान ग्रामीणों ने बचाव की काफी कोशिश की पर वीरू मंडल एवं उसके पुत्र देव मंडल ने पूर्ण आवेश में चाकू व दाव से गोद गोद कर हत्या कर दी। गुस्साए ग्रामीणों ने वीरू मंडल के घर में तोड़फोड़ की। मौके पर महेशपुर और अमड़ापाड़ा पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक पूछताछ की जा रही है, लेकिन उग्र ग्रामीणों ने कहा कि जब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होती तब तक शव को उठाने घटनास्थल से नहीं देंगे।
साहेबगंज जिले के रांगा थाना निवासी मृतक विश्वजीत की पहली शादी हत्या के आरोपी बीरू मंडल की पुत्री से बासमती गांव में हुई थी। हाल के कुछ वर्ष पहले बीरू की पुत्री यानी विश्वजीत की पत्नी की हत्या मायके में ही हो गई थी। उसे गला रेतकर मार दिया गया था। हत्या किसने की ? क्यों की ? इस रहस्य से आज तक पर्दा नहीं उठ पाया।
उनकी पुत्री की असामयिक मृत्यु हो जाने पर उन्हें शक था कि दामाद ने ही पुत्री की हत्या कर दी है। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसी कोई बात नहीं हैं। बीरू मंडल की पुत्री की हत्या दो साल पहले किया था। मृतक विश्वजीत गौराई की एक माह पूर्व दूसरी शादी हरीशपुर में चंदन मंडल की 18 वर्षीय पुत्री प्रियंका कुमारी से हुई थी। मृतक आज अपना ससुराल आया हुआ था। वह अपनी पत्नी के साथ भौंरीकोचा मंदिर पूजा के साथ पूजा करने हरीशपुर से बासमती होते हुये जा रहा था। इसी बीच बासमती दुर्गा मंदिर के पास रास्ते में मोटरसाइकिल रोककर बीरू मंडल, पत्नी लखी देवी और पुत्र देव मंडल मिलकर विश्वजीत गौराई को दौड़ा कर चाकू से वार कर हत्या कर दिया। विश्वजीत गौराई साहेबगंज के रांगा थाना क्षेत्र के सारेबिंधा निवासी बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ नवनीत हेम्ब्रम, महेशपुर थाना प्रभारी संतोष कुमार और अमड़ापाड़ा थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव सहित पुलिस बल घर पहुंच कर घटना की जानकारी लिया और लोगों से पूछताछ किया। उधर गुप्त सूचना के आधार पर इस हत्या के दो आरोपियों को पुलिस ने धर दबोचा है। बाकी दो आरोपी फरार है. थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया की जदल ही बाकी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जायेगा. एसडीपीओ नवनीत हेम्ब्रम ने बताया कि इस घटना को किसने अंजाम दिया है जो भी कोई भी हत्या किया है, आरोपी को पकड़ लिया जाएगा और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में बसाहा पंचायत में संध्या चौपाल के बाद अहले सुबह जनता दरबार का आयोजन....

- संध्या चौपाल में आए हुए समस्याओं का जनता दरबार मे किया गया निष्पादन....
- उपायुक्त ने पंचायत भवन में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से विभिन्न समस्याओं का ऑन द स्पॉट किया समाधान....
- बसाहा पंचायत अंतर्गत चल रहे विभिन्न योजनाओं का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण....
- पंचायत भवनों में मूलभूत सभी सुविधाओं के साथ बेहतर बनाने की दिशा में करे कार्यः- उपायुक्त....
- पंचायतों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने पंचायत भवन में रात्रि विश्राम कर अहले सुबह लोगों के समस्याओं का किया समाधान....
- सरकार द्वारा चल रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से शत प्रतिशत सुयोग्य लाभुकों को करे लाभान्वितः-उपायुक्त.....
- मनरेगा योजना के तहत चल रहे कार्यों का उपायुक्त ने किया निरीक्षण....

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में पालोजोरी प्रखंड अंतर्गत बसाहा पंचायत के पंचायत भवन में रात्रि विश्राम करने के पश्चात अहले सुबह जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने संध्या चौपाल में आए हुए समस्याओं का निराकरण करने के अलावा जनता दरबार के दौरान विभिन्न समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया।

इसके अलावे पंचायत भवन में आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त ने लोगों से बातचीत करते हुए उन्हें मिल रही विभिन्न योजनाओं की वस्तुस्थिति से अवगत हुए। साथ ही सर्वजन पेंशन योजना, राशनकार्ड योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, सोना सोबरन धोती सारी योजना का लाभ ले रहे विभिन्न लाभुकों से बातचीत करते हुए पंचायत भवन में उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए जाँच से जुड़े मामलों का सत्यापन कराते हुए जल्द से जल्द समाधान का निर्देश संबंधित अधिकारी को दिया। साथ ही जनता दरबार के दौरान कई लोगों ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान उपरोक्त के अलावा झारखंड आंदोलनकारी सदस्य नरसिंग मुर्मू, बीस सूत्री उपाध्यक्ष इस्तियाक मिर्जा, मुखिया फुरकान अंसारी, प्रमुख, जिला परिषद सदस्य, प्रखंड विकास पदाधिकारी शिवाजी भगत के अलावा पालोजोरी प्रखंड के अधिकारी, कर्मी आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सिन्दुरडीह गांव में स्वास्थ मेला का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। यूनिफाइड कमांड अन्तर्गत रविवार को रानीश्वर प्रखण्ड अंतर्गत टोंगरा थाना क्षेत्र के सिन्दुरडीह गांव में स्वास्थ मेला का आयोजन किया गया है।इस अवसर पर पुलिस अवर निरीक्षक सह थाना प्रभारी टोंगरा राजेश कुमार,एसएसबी कमाण्डेंट , अंचल अधिकारी रानीश्वर,प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रानीश्वर,स्वास्थ कर्मी तथा प्रखण्ड स्टाफ मौजूद थे। स्वास्थ मेला में हिमोग्लोबिन,ब्लडप्रेसर,कोविड,मलेरिया,कालाजार,टीदिव्यांगता आदि की जांच की गई।इस अवसर पर आयुष्मान कार्ड बनाया गया एवं टीकाकरण किया गया।

महिषबाथान बाजार समिति का हटिया शेड जर्जर, दुकानदार व किसान परेशान

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रानीश्वर प्रखंड मुख्यालय के महिषबाथान में बुधवार को साप्ताहिक हाट लगती है । हाट में लोगो की अच्छी खासी भीड़ जुटती है. ज्ञात हो कि यहां के हाट में मवेशियों की भी खरीद बिक्री का काम बड़े पैमाने पर होता है.बाजार समिति के द्वारा यहाँ चार दशक पूर्व शेड का निर्माण कराया गया था।पूर्व में यहां बाजार समिति के अधीन इस हाट का अनुमंडल स्तर से डाक होता था।बिगत कई सालों से बाजार समिति ने हटिया का डाक बंद कर दिया हैं.फिलहाल यहां पार्थ सारथी मंदिर समिति के द्वारा हाट का संचालन किया जाता है। प्रखंड के आसनबनी में गुरुबार एवं रानीश्वर में रविवार को साप्ताहिक हाट लगता हैं । उक्त दोनों हाट का संचालन भी वहां की मंदिर समिति कराती है.महिषबाथान हाट परिसर का शेड जर्जर हो जाने के कारण यहां दुकानदारों एव स्थानीय किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं.दुकानदारों एवं किसानों ने जिला प्रशासन से शेड की मरम्मती कराने की मांग की है.

260 प्रतिभागियों को दिया गया प्रशिक्षण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। को सिनी संस्था की ओर से कोविड प्रतिरोध समुदाय परियोजना के तहत रविवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।कार्यक्रम के दौरान जानकारी देते हुए संस्था के पर्यवेक्षक चैतन्य चांद ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिदिन 60 की संख्या में प्रतिभागियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान कोविड और शिशु एवं बाल पोषण पर प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान प्रशिक्षक शैलेश कुमार ने बच्चों की उम्र को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि शिशु किस उम्र को कहा जाता है शिशु की उम्र क्या होती है नवजात शिशु की उम्र सहित, शिशुओं में कुपोषण का लक्षण एवं कुपोषण से रोकथाम सहित अन्य जानकारी दी।प्रशिक्षण के दौरान ग्राम प्रधान, सहिया,मुखिया,जल सहिया, आंगनबाड़ी सेविका सहित अन्य प्रतिभागी शामिल हुए।

पीयर एडुकेटर साथिया को दिया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत महुलबोना, बेदिया,सरसाबाद,बारा,चिकिनिया और सिकिटिया पंचायत भवन में रविवार को सिनी संस्था द्वारा राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत पीयर एडुकेटर साथिया को प्रखंड समन्वयक सोमनाथ मंडल एवं पुजा मैत्रा के द्वारा संयुक्त रूप से एक दिवसीय प्रशिक्षण आरकेएसकेपी एमआईएस एप्लीकेशन के माध्यम से दिया गया।प्रशिक्षण के दौरान 23 पंचायतों के चयनित 111 साथिया को मोबाइल के माध्यम से राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे में ज्ञान केंद्र,गेम्स, उपलब्धि,रेफरल,हेल्पलाइन नंबर, रिपोर्टिंग के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव के द्वारा सभी साथिया को एमआईएस एप्लीकेशन के माध्यम से विकास और कौशल में वृद्धि को जागरूक किया गया।इसके अलावे एएनएम द्वारा उपस्थित सभी किशोर किशोरी के एचबी,ऊँचाई,लम्बाई की बीएमआई जाँच किया गया। कार्यक्रम के दौरान सिनी से विकास राउत,कौशल मंडल,देवीलाल मरांडी, चैतन्य चांद,संदीप मंडल,बिनोद मंडल,बिपुल मंडल,नीतू दे,इगानियस सोरेन,मोनिका पाल,बिमलेंडु पाल आदि उपस्थित थे ।

नया संसद भवन विकास की नयी गाथा लिखेगी: प्रशांत जायसवाल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

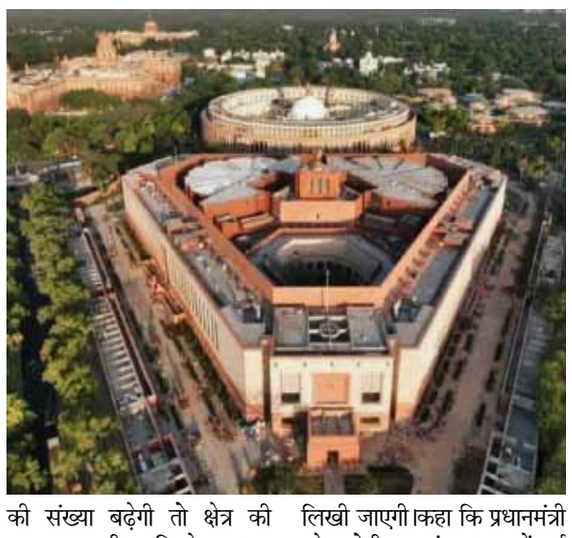

डुमरी। नये संसद भवन के उद्घाटन पर हर्ष व्यक्त करते हुए भाजपा प्रदेश कार्यसमिति अध्यक्ष प्रशांत जायसवाल ने कहा है कि यह भारत के लिए एक गौरव की बात है।कहा कि ढाई साल में एक भव्य,आकर्षक तथा आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण संसद भवन बनकर देश को समर्पित होना यह दर्शाता है कि केन्द्र सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य को पूरा करती है।कहा कि नये संसद भवन में 888 सांसद व 384 राज्य सभा सांसद के बैठने की जगह है जिससे यह संभावित है कि आनेवाले समय देश में परिसिमन के माध्यम से सांसदों की संख्या में इजाफा होगी।उन्होंने कहा कि यदि सांसदों की संख्या बढ़ेगी तो क्षेत्र की समस्या का तीव्र गति से समाधान होगा।कहा कि नये संसद भवन से देश में विकास की नयी गाथा लिखी जाएगी।कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद भवन में सर्व धर्म सभा का आयोजन करना,यह दर्शाता है कि वह सभी धर्मों का आदर और सम्मान करते हैं।कहा कि

संसद भवन में सेंगोल स्थापित कर प्रधानमंत्री ने देश के आजादी के प्रतीक और आजादी के लिए अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले जननायकों को सम्मान दिया है साथ ही सेंगोल कर्तव्य व निष्पक्षता की भाव का प्रतीक है।कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा सबका साथ,सबका विकास और सबका विश्वास के सिद्धांत को लेकर चले हैं। जिस कारण आज वे विश्व के नेता बन गए हैं और समाज के सभी लोगों का आशीर्वाद उन्हें मिलता है।इस दौरान कृष्णकांत शर्मा,संजय अग्रवाल,निर्मल जायसवाल,आशीष अग्रवाल,बुटू गोप,चेतलाल महतो आदि उपस्थित थे।

एसटीपी के निर्माण कार्यों की जांच की मांग

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बेरमो /बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल में 39 करोड़ की लागत से बन रहीं सिवरेंज टीट्रमेंट प्लांट के कार्यों की गुणवता की जांच की मांग उप प्रमुख बिनोद कुमार साहू ने डीवीसी मुख्यालय से किया है। उप प्रमुख ने कहा है कि सिवरेंज टीट्रमेंट प्लांट के कार्यों में निम्न स्तर का ईंट और बालू का उपयोग किया जा रहा है। इस मामले में स्थानीय डीवीसी प्रबंधन और निर्माणाधीन कंपनी को भी उप प्रमुख बिनोद कुमार साहू ने जानकारी दिए है।

नाली में पूराना ईंट का उपयोगः 9 मई को जीएम कॉलोनी में कंपनी द्वारा निर्माणधीन नाली में पूराना ईट का उपयोग किया जा रहा है। इसका भी काम नगर वासियों ने बंद करा दिया है। बाद में फिर से कंपनी के द्वारा नाली का काम नये सिरे से काम शुरू करने की आश्वासन देने की बात पर काम शुरू हुआ था।

खेतको का बालू और चालान बंगाल का : सिवरेज टीट्रमेंट प्लांट के निर्माण में खेतको का बालू का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन चालान बंगाल का दर्शाया जा रहा है। ईंट का भी हाल भी बेहतर नहीं है।

शिव परिवार महायज्ञ के दूसरे दिन अरणि मंथन से हवन कुंड में पैदा हुआ अग्नि

टाटीझरिया (हजारीबाग)। टाटीझरिया थाना परिसर में आयोजित पांच दिवसीय शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के दूसरे दिन रविवार को पुरोहितों ने विविध अनुष्ठान संपन्न कराए। अनुष्ठान के दौरान अरणि मंथन से हवन कुंड में अग्नि की स्थापना की गई। आचार्य मोहन मिश्रा व वाराणसी से आए आचार्य विश्वधर दूबे के निर्देशन में पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चारण से लकड़ी का मंथन कर अग्नि उत्पन्न की गई। यज्ञ स्थल व आसपास का वातावरण शिव व वैदिक मंत्रों से गुंजायमान है। पांच दिवसीय महायज्ञ में क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। सुबह से ही सैकड़ों महिला-पुरुष यज्ञ मंडप की परिक्रमा करते देखे गए। महायज्ञ को सफल बनाने में समस्त टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र के वासियों का पूरा सहयोग मिल रहा है।

बड़कागांव मध्य पंचायत में चापाकल मरम्मत कार्य शुरू

बड़कागांव । मध्य पंचायत में पेयजल समस्या को दूर करने को लेकर 20 चापाकल का मरम्मत कार्य शुरू हो गया है। इसका शुभारंभ विकास सिन्हा के घर के पास से मुखिया तकरीमुल्लाह, पंचायत समिति सदस्य रितेश कुमार ठाकुर एवं वार्ड सदस्य संजय कुमार की उपस्थिति में शुभारंभ किया गया।उक्त खराब पड़े चापाकल को मरम्मत के बाद पानी चालू कराया गया जिसमें 30 घरों के परिवार के लोग लाभान्वित होंगे वही मस्जिद के समीप लालदेव पासवान के घर के पास खराब पड़े चापाकल को भी मरम्मत कर पानी चालू कराया गया यहां पर लगभग 40 हिंदू एवं मुस्लिम परिवार के लोग लाभान्वित होंगे। मुखिया तकरी मुल्लाह खान एवं पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर ने कहा कि पंचायत में 20 खराब पड़े चापाकल का मरम्मत कराने का सरकार के द्वारा निर्देश दी गई है ।ताकि लोगों को पेयजल की समस्या से जूझना नहीं पड़े। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से मुखिया तकरीमुउल्लाह खान, पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, वार्ड सदस्य संजय कुमार, इसके अलावा कई लोग उपस्थित थे।

बुधनी मंझियान को सम्मानित कर जताया विरोध

निरसा। झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस कॉडिनेटर सन्नी सिंह के नेतृत्व में रविवार को पंचेत में बुधनी मंझियान को सम्मानित किया गया। बुधनी ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु की उपस्थिति में डीवीसी पंचेत डैम का उद्घाटन बटन दबाकर किया था। पंडित नेहरु ने कहा था कि बुधनी और उनके जैसे लोग के कारण ही डैम बन पाया। इसलिए डैम का उद्घाटन आदिवासी समाज के महिला से पंडित नेहरु ने करवाया और आदिवासियों को उचित सम्मान दिया। वर्तमान प्रधानमंत्री ने संसद भवन का उद्घघाटन राष्ट्रपति से न करवाकर आदिवासी समाज के सम्मान को ठेस पहुंचाया है। आक्रोश व्यक्त किया गया। सिंह ने मोदी सरकार द्वारा लोगों के अधिकार एवं लोकतंत्र का अपमान करने का आरोप लगाया। कहा कि देश की आजादी के बाद वर्तमान में राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री का पद एवं चयन की प्रक्रिया तो पुरानी है। लेकिन प्रधानमंत्री प्रोटोकॉल का हनन कर राष्ट्रीपति के पद की गरिमा का उलंघन करते हुए स्वयं संसद भवन का उद्घाटन किया। मौके पर अध्यक्ष रवि सिंह, अमित ठाकुर, रविशंकर ठाकुर, पंकज वर्मा, विनीत ठाकुर, अंकित शर्मा, राहुल राय, उमेश यादव, सोनू, दिनेश आदि थे।

राम से बड़ा राम का नाम : देवी शिखा

निरसा। जुनकुंदर प्रोजेक्ट में चल रहे महायज्ञ के दौरान राम कथा में कथा व्यास देवी शिखा चतुर्वेदी ने कहा कि राम से बड़ा राम का नाम है। सुकंत ने राम नाम के कवच से अपनी प्राण की रक्षा की। उन्होंने कहा कि भाव से या कुभाव से राम का नाम लो, वह कल्याण करता ही है। कलियुग में सिर्फ भगवान का नाम ही पार लगाने वाला है। उन्होंने कहा कि विटक परिस्थितियों में जीवात्मा को भगवान को समर्पित कर देना चाहिए। उन्होंने गुरु की महानता और संत की महिमा का वर्णन किया। कहा कि प्रयाग में स्नान करने से कब उसका फल मिलेगा, यह कहना मुश्किल है लेकिन संत रुपी प्रयाग में स्नान करने से चारों पुरुषार्थ की प्राप्ति होती है। संगीतमय कथा के दौरान उन्होंने शिव विवाह का चरित्र चित्रण किया। रविवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ शिव परिवार (मूर्तियों) को 51 मिष्टान, फल, घी आदि से अधिवास कर महास्नान कराया गया। निंद्राकलश स्थापना किया गया। शाम को झांकी के साथ नगर भ्रमण हुआ। शिव पार्वती के वाल सज्जा स्वरुप झांकी का आकर्षक का केंद्र था।

गिरिडीह सांसद ने कहा दुग्दा कोल वाशरी की लाइफ खत्म हो गई है तो नया वाशरी लगाया जाएगा

बेरमो । चंद्रपुरा-बोकारो जिले के दुग्दा स्थित अपने जमाने के एशिया महादेश के नंबर वन कोल वाशरी दुग्दा कोल वाशरी लगभग ढाई वर्षों से मरन स्थिति में है। जिस कारण इस कोल वाशरी के आसपास दर्जनों गांव सैकड़ों दुकानदार समेत हजारों आश्रित लोग प्रभावित हो रहे हैं। दुग्दा की जान दुग्दा की रौनक इस कोल वाशरी से ही थी। इस कोल वाशरी के बंद होने से दुग्दा के चारों तरफ बेरोजगारी और मायूसी छाई हुई है। पिछले वर्ष इस कोल वाशरी को किसी प्राइवेट कंपनी द्वारा लीज में लेने की बात प्रकाश में आई थी। परंतु कई महीने बीत जाने के बावजूद भी मामला ज्यों के त्यों पड़ा हुआ है। इस बाबत गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा की कोल इंडिया में इसका प्रस्ताव रखा गया है, अगर वाशरी की लाइफ खत्म हो गई है तो नया कोल वाशरी का प्रबंध किया जाएगा।

झारखंड सरकार खाद आपूर्ति विभाग के गलत नीति के कारण डीलर एसोसिएशन काफी आक्रोशित : मोहन भैया

डीलर एसोसिएशन जिला मुख्यालय में अपनी 9 बिंदुओं मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करेंगे।

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जामताड़ा । राज्य स्तरीय फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष श्री ओमकार नाथ झा द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार सभी जिला मुख्यालय में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन हड़ताल राज्य सरकार के विरोध में आगामी 5 मई को निर्धारित की गई है। उसी के आलोक में जामताड़ा जिला फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन जिला अध्यक्ष श्री मोहन प्रसाद भैया एवं मीडिया प्रभारी देव कुमार साव ने संयुक्त रूप से बताया गया कि आगामी 5 जून को जामताड़ा जिला मुख्यालय में 9 बिंदुओं को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम रखा गया है।झारखंड सरकार खाद आपूर्ति विभाग द्वारा गलत नीति के चलते पूरे प्रदेश के साथ-साथ जामताड़ा जिला जन वितरण विक्रेता एवं हॉकर्स डीलर काफी आक्रोशित हुए हैं। जिसमें की मुख्य मुद्दा खाद आपूर्ति विभाग द्वारा पूर्व रघुवर सरकार का 2017 कंट्रोल ऑर्डर में अनुकंपा आश्रितों को कोई उम्र सीमा का बंधन नहीं था एवं किरासन तेल ठेला वेंडर को भी जन वितरण विक्रेता का लाइसेंस दिया गया था तथा रोजगार का साधन दिया गया था जो की जनहित में अच्छा था। लेकिन वर्तमान हेमंत सरकार के द्वारा उस कंट्रोल एक्ट में संसोधन कर नई कंट्रोल ऑर्डर 2022 लाया गया है। वर्तमान सरकार द्वारा यह काला कानून है अनुकंपा से संबंधित उम्र सीमा बांधी गई साथ ही दुकानदारों को शोषण एवं मानसिक प्रताड़ना का शिकार हो रही है।तथा डीलरों के आश्रितों को बेरोजगार किया जा रहा है जो गलत है। साथ ही अन्य कई कारणों से राज्य के जन विक्रेता काफी आक्रोशित है - प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में वितरित किए गए अनाजों के बकाए कमीशन भुगतान नहीं होने के कारण।, एमएफएसए योजना में वितरित किए जा रहे हैं अनाजों के कमीशन के भुगतान नहीं होने के कारण।, कमीशन में वृद्धि नहीं करने और मानदेय की स्वीकृति नहीं देने के कारण , 2जी सिम को 4जी में परिवर्तित नहीं करने पर होने वाले परेशानियों के कारण।, वापस यह गए खाली झूठ बोलो का भुगतान नहीं हो पा रहा है।, गोदाम से सही वजन का अनाज नहीं मिलने के कारण।, अनाज वितरण के अलावे विक्रेताओं से कराया जा रहे हैं अन्य कार्यों के एवज में किसी प्रकार का भुगतान नहीं किए जाने के कारण।

साथ ही यह बताया गया की इस संबंध में कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु प्रत्येक प्रखंड का दौरा किया जाएगा। आज की बैठक में उपस्थित जिला सचिव अनिल कुमार गुप्ता ,उपाध्यक्ष शिरोमणि जादव ,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नरेश कुमार जैन ,नाला प्रखंड प्रतिनिधि निरोध चंद्र दास ,नारायणपुर प्रखंड प्रतिनिधि तेजाउल अंसारी एवम अन्य कई डीलर उपस्थित थे।

Inauguration of New Parliament: Reading Opposition Mind

Professor M.C.Behera

Jharkhand Dekho desk: India is a country of distinct social, religious, language and regional categories. But Indian civilisation is not a sum of distinctiveness; it is an evolution of contributions in the process of interaction, adoption, acculturation, assimilation on one hand and upholding distinctiveness on the other. This requires appreciation of Indian civilisation in distinctiveness and perceiving a panoramic vista across distinct categories. The sense gives the idea of pluralistic India. In recent years, pluralistic idea is perceived with prominence given to recognition of distinct categories within a national territorial space, while keeping aside the idea of a shared-whole evolved across these categories since long past. This divisive sense is grossly reflected on the occasion of inauguration of the New Parliament.

Being a common citizen I am disturbed at some political remarks hurled on the occasion of inauguration of New Parliament Building. If words reflect one's mind then what is in the mind of our politicians who lead people to serve the nation? Boycott of the inauguration function amounts to non-acceptance of the New Parliament House by some opposition parties. The coming session of the Parliament as it is declared by the ruling party will be held in the new house. Will the opposing parties attend the session? The New Parliament will house the departments which are run in rented buildings for which huge amount of money are paid from the exchequer as rent. Is not it in the interest of the nation? The old building is a legacy of colonial administration. Is it not a patriotic feeling to cast off colonial legacy one by one after India became free?

I do not know why the President was not invited or why inauguration was done by the Prime Minister and what is the norm that is violated. The President is the head of legislature, executive, judiciary and three army wings. Is there any convention that all the buildings will be inaugurated by the head of the state? If so extended old Parliament building or library would have been inaugurated by the President. Is not there any distinction between head of the government and head of the state? Every head has its functional jurisdiction despite being a part of a greater umbrella. Is not it decentralised sense?

In Manipur, Tamil Nadu and Bihar there are instances of inauguration of assembly buildings by different persons other than the Governor who holds the same position and

status in the state like the President for the country. Ignoring this convention and stressing on the inauguration by the President is nothing but evidently a misguiding stint. In a media it is suggested that inauguration by the PM is an insult to the president as a person and so the only alternative is to resign. Who feels insult, the President or the media person? What low level of impression it leaves in the public mind? Is this the way a President of the country shall be advised to behave by low wit persons? Is not it demeaning the greatness of the post of President?

But the crux of the problem is more appalling. Non-inauguration by the President is reasoned out by some politicians as disrespect to adivasi and women. Is Her Excellency the President of women group or adivasi peopel? Or is Her Excellency the President of the country of diverse social and religious groups? Such remarks expose the littleness of politicians who do not understand the essence of a post. But the problem is that there are followers who believe in the words and ideas of such politicians. Such remarks are not in the interest of a pluralistic country evolved from ancient time.

Nitish Kumar criticises the inauguration by the PM as an attempt to change history. If history will not change, then how can new history be created? Change is life. Living with a humiliating past is like death. With new history it means that we are alive. Is Nitish Kumar ignorant about it? Or does he want to lead his people to a static life without any progress?

There is a doubt about the historicity of the Sengol. What's about attestation by Vumiddi Bangaru Chetty family and Adheenan seers who made it? There is Sengol, and it is a display in Allahabad Museum. What is the history or records available on its make, placement in the museum and the purpose for which it was made? Are not these queries investigated in history? What was the history behind Tamil inscriptions in it and displaying it as a walking stick? Are there records to answer such queries? In the absence of records can we disown the existence of the Sengol? Oral narrative, if the narrating person is a witness or learnt the event from one who was the witness, is a source of history rejecting the exclusive claim of written or archaeological evidences as the only source. Here is the authentication from the persons who were involved in the make and the purpose for which it was made. Will not questioning the history of Sengol amount to questioning the methods of historical research? There is also a doubt about the historicity of transfer of power in the absence of records. Is there any record how power was transferred when a new king, may be the son, was formally coronated and assumed power? With invasion and forceful occupation of a kingdom coronation was not a normal ritual. May be the practice stopped with Muslim invasions and colonial occupations and conversion of kingdoms into protectorates. To question the tradition by citing selective limitations of history is like questioning the sunshine outside by closing eyes or staying in a closed room.

Jairam Ramesh, a stalwart politician and an intellectual criticizes the ceremony of handing over the Sengol as a sign of return to monarchy. Have we discarded all the aspects of governance of monarchical days in democracy? Are not people ruled by rulers, though they are elected by the people? Is not the protocol claim about inauguration by the President is status question that also prevailed during monarchy? In a democracy, there is also a procedure by which power is transferred from the old government to the new government. This transfer of power is not unique to monarchy alone. It is stated that Sengol was used as a symbol of transfer of power from the British to the Indians. Installation of Sengol in the Parliament is simply recognition to that transfer. The occasion does not mark a transfer through inheritance or discarding democratic system of electing a government

Swami Prasad Maurya's question on the occasion of inauguration is not only ridiculous, illogical but also repulsive. He questions why Brahmins are from the south. Why not priest from all religious communities? What is important for him is not clear. When inauguration is objected what does it mean how it is done? There are some persons who have interest or are very much attached with something, though they object to it. But they cannot ignore its absence in life. Such persons watch the object or event from a distance and show disgust of not having it by criticising this or that aspect.

A normal man considers a Brahmin as a Brahmin. It does not matter the place where the Brahmin comes from if he is an expert for the purpose. Divisive mind has no stop. Such minds that can divide between south and north may also seek divisions on the basis of villages. Regional division is not a healthy sign for the spirit of national integration when a quality stands undifferentiated across the regions. Such thinking is reflection of a low mentality or ignorance and such leaders are miles away from understanding the idea of a nation. The next question is more queering. Transfer of power and rituals associated with it in India is an intrinsic characteristic of Hindu tradition. Besides, inauguration of a house by performing Vedic rituals, the belief around it and use of Vastu shastra rules while building a house are embodied in Hindu tradition. How come other priests are suitable for the purpose? His argument is like replacing a tailor master with a school master or music master or karate master, for master title goes with all of them! The irony is that these leaders claim to lead people for their progress and progress of the nation. How can they do so when they see the country in divisions and propagate divisive ideas?

How can a man be qualified to be a public leader for the betterment of the nation when he divides the public into different compartments? It is time for the public to fight against ignorance and low mentality of their leaders. In a democracy, opposition is a strong force to prevent derailment of the government from public interest. Who does a work or who does not may have protocol question but the whole oppositions' attention on it does not solve the problem of the public. Does not it indicate that oppositions do not have proper understanding of public interest?.

(Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh, Itanagar,Papum Pare District,Arunachal Pradesh-791112, Email: mcbehera1959@gmail.com;The views expressed by the author are his own and in no way the Editor be held responsible for the them—Editor.)

सखी मंडल दीदी और उनके परिवार सदस्यों को व्यक्तिगत बीमा से जोड़ने का लक्ष्य हुआ पूरा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। चितरा।

पालोजोरी प्रखंड में गठित 1473 सखी मंडल के सदस्यों का और उनके परिवार के कमाऊ सदस्यों का भारत सरकार के महत्वाकांक्षी बीमा योजना पीएमएसबीवाई और पीएमजेजेबीवाई से जोड़ने का लक्ष्य इस वित्तीय वर्ष गांव में ग्राम संगठन और खरछढर कैडर एफएलसी के सहयोग से पूरा किया गया! सभी सखी मंडल सदस्यों को पिछले एक माह से पालोजोरी प्रखंड में कार्यरत कुल 14 एफएलसी और 5 सामूदायिक समन्यवयक के सहयोग से पालोजोरी प्रखंड के 256 गांव को मिलाकर गठित 130 ग्राम संगठनो में व्यक्तिगत बीमा विषय पर प्रशिक्षण के माध्यम से सभी सखी मंडल दीदियों को बीमा के लाभ को डेमो के माध्यम से समझाने का कार्य निरंतर चलते आ रहा था इस कार्य के दौरान सभी स्टाफ और कैडर व्यक्तिगत दीदियों के खाता में न्यूनतम राशि रू 460 जमा कराया जा रहा था, जिन दीदी का व्यक्तिगत खाते में राशि की कमी रहती थी उनको चिन्हित कर ग्राम संगठन से ब्याज मुक्त रू 500 राशि दिया गया इस ब्याज मुक्त राशि का उपयोग दीदीयां अपने व्यक्तिगत बीमा को कराने में बैंक के सीएसपी और बैंक शाखा के सहयोग से दिनांक 25 मई 2023 से 31 मई 2023 के बीच कटित करवाएंगी। इस इस पूरे 1 माह के कार्यक्रम के दौरान सभी ग्राम संगठन में बीमा पुस्तक संधारण कर सभी सखी मंडल दीदियों को

उनके उम्र के हिसाब से चिन्हित किया गया और जिनका बीमा पूर्व से निरंतर चलते आ रहा है उनके खाता में न्यूनतम राशि को मेंटेन करने के लिए समझाया गया साथ ही नए दीदियों को बीमा के लाभ लेने वाले दीदियों से वीडियो कॉल के माध्यम से बात कराया गया और नए दीदियों को भी अपने व्यक्तिगत बचत खाता में राशि को मेंटेन करने की सलाह दी गई इसके फलस्वरूप आज के तारीख में सभी सखी मंडल दीदीयों के व्यक्तिगत खाता में पीएमएसबीवाई और पीएमजेजेबीवाई की न्यूनतम राशी है और सबका कैंप मोड में राशी कट कर पुनः बीमा रिनुअल हों रहा है ।पालोजोरी प्रखंड में पिछले वित्तीय वर्ष कुल 11 सखी मंडल दीदी व्यक्तिगत बीमा पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई का लाभ ली है जो एक उदाहरण का काम व्यक्तिगत बीमा से जोड़ने में सखी मंडल दीदियों के लिए कर रहे हैं। इस पूरे इस पूरे 1 महीना के प्रशिक्षण में व्यक्तिगत दीदियों को ऋण लेने की प्रक्रिया,अपने ऋण खाता को एनपीए ना होने की प्रक्रिया,अपने व्यक्तिगत जीवन में राशि का उपयोग और आर्थिक रूप से सशक्त होने की प्रक्रिया को प्रशिक्षण के माध्यम से समझाने का काम एफएलसी के सहयोग से कराया गया। यह 1 माह के कार्यक्रम का पूरा अवलोकन प्रखंड परियोजना अधिकारी वित्तीय समावेशन परशुराम जी के नेतृत्व में हुआ। इस कार्यक्रम को धरातल पर उतारने में संकुल संगठन के पदाधिकारी और इटटव पालोजोरी के सभी प्रखंड स्टाफ का पूरा सहयोग रहा ! आज पालोजोरी प्रखंड के बसहा पंचायत सचिवालय के रात्रि चौपाल कार्यक्रम में देवघर उपयुक्त श्री मंजूनाथ भजंत्री ने खरछढर पालोजोरी टीम के द्वारा व्यक्तिगत बीमा कार्य ,बीमा पुस्तक और सभी कार्य की सराहना किए। इस कार्यक्रम में शिवली मंडल, सुषमा देवी,मंटू पंडित,रीता देवी,रिंकू वैष्णवी,विप्लव मंडल, दीपक यादव, सजल महतो,उषा देवी,मुन्ना कापरी,धीरज चौरसिया,सुनील हेंब्रम कृष्णा कुमार, अरविंद कुमार,जमील अंसारी,इकराम अंसारी,कृष्णा कुमारी,ममता देवी,सिउली तांती, मनोज पाल(उछऋ),आशा देवी(बीआरपी),सफेदा खातून और सभी शाखा प्रबंधक पालोजोरी के साथ-साथ सभी उरढ संचालक आदि का पूरा सहयोग रहा।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री की अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय व निगरानी समिति की बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। समाहरणालय स्थित सभागार कक्ष में शनिवार को श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति 'दिशा' की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गयी। साथ ही बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन के सम्बंध में बिंदुवार समीक्षा कर विचार-विमर्श किया गया। मौके पर उपायुक्त द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की प्रगति के सम्बंध में जानकारी दी गयी।

बैठक में गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री सुदिव्य कुमार सोनू, जमुआ विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री केदार हाजरा, जिला परिषद अध्यक्ष, सांसद प्रतिनिधि, गिरिडीह, गांडेय के विधायक प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि, राज धनवार, विधायक प्रतिनिधि, बगोदर, सभी प्रखंडों के प्रमुख व अन्य संबंधित जनप्रतिनिधि तथा जिला प्रशासन की तरफ से उपायुक्त, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, आईएएस प्रशिक्षु, डायरेक्टर डीआरडीए, अनुमण्डल पदाधिकारी, उप नगर आयुक्त, जिला परिवहन पदाधिकारी, सिविल सर्जन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क

पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, डीपीएम, जेएसएलपीएस , कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, एलडीएम, जिला मत्स्य पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, सभी प्रमुख एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। इस दौरान योजनाओं के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति व क्षेत्र में किये जाने वाले कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान जिले में चल रहे विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा करते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि अगली बैठक में कार्य योजनाओं का रोड मैप तैयार किया जाय। ताकि विभिन्न इलाकों में जो भी आवशयक होगा उसका उचित विश्लेषण किया जा सके। उन्होंने कहा कि मूल रूप से विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय से कार्य करने के बाद ही योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जा सकता है। साथ ही बैठक में विभिन्न योजनाओं के तहत जिले में हुए विकास कार्यों पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को आपसी समन्वय स्थापित कर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को सफल बनाने की बात कही। स्थानीय स्तर पर विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करते हुए लक्ष्य निर्धारण कर कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा समीक्षा के दौरान जिले में विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे कार्यों में आ रही कमियों को भी अंकित किया गया।

इस पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री द्वारा सम्बन्धित को लक्ष्य आधारित कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि सभी प्रखंडो में आयोजित बैठकों में सभी प्रमुख को सम्मिलित करते हुए क्षेत्र के विकास से सम्बंधित कार्य किये जाय।

देश की स्थिति काफी चिंताजनक एवं गंभीर : सीटू

रांची

ट्रेड यूनियनों का राज्य स्तरीय कन्वेंशन सम्पन्न

केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ तथा जनपक्षीय वैकल्पिक नीतियों के लिए सीटू , एटक, इंटक, एचएमएस, एक्टू, एआईयुटीयूसी, टीयूसीसी, यूटीयूसी समेत विभिन्न श्रमिक संगठनों का संयुक्त राज्य स्तरीय कन्वेंशन सीएमपीडीआई के मयूरी हॉल में रविवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीके गांगुली, मिथिलेश सिंह, लीलाधर सिंह ने संयुक्त रूप से की जबकि संचालन अशोक यादव ने किया। कन्वेंशन का उद्घाटन शुभेन्दु सेन ने किया जबकि कन्वेंशन का घोषणा पत्र सीटू के राज्य महासचिव विश्वजीत देव ने पेश किया। वक्ताओं ने कहा कि आज जनता के साथ देश की स्थिति काफी चिंताजनक एवं गंभीर है, जिसके लिए केन्द्र की भाजपा नीत मोदी सरकार की नीतियां जिम्मेदार है, जो न केवल मजदूर विरोधी, किसान विरोधी और जनविरोधी है, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। ये नीतियां न केवल हमारी अर्थव्यवस्था बल्कि हमारे देश की एकता और अखंडता के लिए भी विनाशकारी साबित हुई है। देश में बेरोजगारी प्रचंड रूप ले चुकी है। वक्ताओं ने कहा कि स्थायी नौकरी की जगह अनुबंध, ठेका और आउटसोर्सिंग लाया जा रहा है, जहां मजदूरों का शोषण जारी है। नौकरी की सुरक्षा नहीं है। महंगाई से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। मौजूदा श्रम कानूनों को कमजोर कर कॉरपोरेट परस्त मालिक पक्षीय चार लेबर कोड लाया गया है। केंद्र सरकार बड़ी तेजी से देश की राष्ट्रीय संपत्ति, सार्वजनिक उपक्रमों, वित्तीय संस्थानों का निजीकरण कर रही है। राष्ट्रीय मौद्रिक पाइपलाइन के माध्यम से राष्ट्रीय सम्पत्तियों को कॉरपोरेट घरानों को औने-पौने दामों में बेचा जा रहा है।

कन्वेंशन में कई प्रस्ताव पारित किए गए, जिसमें ट्रेड यूनियनों के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर उनकी मांगों के समर्थन में भारत छोड़ो दिवस पर नौ अगस्त को धनबाद और 10 अगस्त को रांची में मजदूर कर्मचारियों का महापड़ाव का आयोजन किया जाएगा। इसमें राज्यभर से हजारों मजदूर शामिल होंगे। इसके लिए जून महीने में बोकारो, जमशेदपुर, धनबाद, रामगढ़, कोडरमा, दुमका एवं डालटेनगंज में क्षेत्रीय कन्वेंशन का आयोजन करने और जुलाई माह में पदयात्रा, जीप जत्थे, बाइक रैली, नुक्कड़ सभा के माध्यम से प्रचार प्रसार और जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। एटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेंद्र कुमार के समापन वक्तव्य के साथ कन्वेंशन समाप्त हुआ।

कन्वेंशन को एटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेन्द्र कुमार, सीटू के राष्ट्रीय सचिव डीडी रामानंद, राज्य उपाध्यक्ष प्रकाश विप्लव, विद्यासागर गिरी, महेश कुमार सिंह, रमेश कुमार सिंह, बैजनाथ मिस्त्री, सोनिया देवी, भवन सिहं, आर पी सिंह, संजय पासवान, अनिर्बान बोस, गिरीश चौहान, भूनेश्वर केवट, रामश्रय सिंह समेत विभिन्न ट्रेड यूनियन नेताओं ने सम्बोधित किया।

> आज जनता के साथ देश की स्थिति काफी चिंताजनक एवं गंभीर है, जिसके लिए केन्द्र की भाजपा नीत मोदी सरकार की नीतियां जिम्मेदार है, जो न केवल मजदूर विरोधी, किसान विरोधी और जनविरोधी है, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। ये नीतियां न केवल हमारी अर्थव्यवस्था बल्कि हमारे देश की एकता और अखंडता के लिए भी विनाशकारी साबित हुई है।

रांची में 56 केंद्रों पर हुई यूपीएससी की परीक्षा, 26054 परीक्षार्थी हुए शामिल

रांची। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा रविवार को झारखंड के एक मात्र केंद्र रांची के 56 उपकेन्द्रों पर सम्पन्न हुई। परीक्षा दो पालियों में (प्रथम पाली सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक तथा द्वितीय पाली 2:30 बजे अपराह्न से 4:30 बजे अपराह्न तक) हुई।

रांची केन्द्र पर कुल 26054 परीक्षार्थियों में से कुल 14409 परीक्षार्थी प्रथम पाली में एवं कुल 14,304 परीक्षार्थी द्वितीय पाली में उपस्थित हुए। परीक्षा कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। आयोग की ओर से दिये गये निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए ठोस व्यवस्था की गई थी। सभी परीक्षा केंद्रों पर एक-एक स्थानीय निरीक्षक पदाधिकारी, एक-एक सहायक पर्यवेक्षक, एक-एक दण्डाधिकारी एवं पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई थी।

परीक्षा केंद्र के अंदर किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना वर्जित था। इसे सुनिश्चित करने के लिए महिला एवं पुरुष पुलिस कर्मियों द्वारा क्रमशः महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों की जांच करने के बाद ही परीक्षार्थी परीक्षा उपकेन्द्र में प्रवेश कर पाये। उनके निजी सामानों को रखने का उचित प्रबंध किया गया था।

परीक्षा में झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा अन्य प्रदेश के परीक्षार्थी शामिल होने के लिए रांची पहुंचे थे। परीक्षार्थियों को निर्धारित समय से दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होने का निर्देश का दिया गया था। जिला प्रशासन की ओर से सभी केंद्रों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किये गये थे।

शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त परीक्षा के लिए सभी केंद्रों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल के जवानों को तैनात किया गया था।

परीक्षा में शामिल छात्र और उनके अभिभावक परीक्षा केंद्र के बाहर भीड़ न लगायें इसको लेकर सभी केंद्र के आसपास धारा 144 लागू कर दिया था। परीक्षा केंद्र की 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू रही।

झारखंड-बिहार में नौ से अधिक कनेक्शन रखने वाले ग्राहकों के 17 हजार सिम डीओटी ने किए निष्क्रिय

रांची। बिहार और झारखंड में नौ से अधिक कनेक्शन रखने वाले ग्राहकों के 21,800 सिम कार्ड में से अब तक कुल 17,000 को अप्रैल और मई में निष्क्रिय कर दिया गया है।

रांची स्थित भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के अधिकारी प्रत्युष पाठक ने रविवार को बताया कि दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने 21,800 कनेक्शन में से लगभग 17,000 ऐसे मोबाइल नंबरों को निष्क्रिय कर दिया है। डीओटी के मौजूदा दिशा-निदेर्शों के अनुसार एक ग्राहक भारत में सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से अधिकतम कुल नौ मोबाइल कनेक्शन प्राप्त कर सकता है। जम्मू-कश्मीर, असम और उत्तर पूर्वी राज्यों में ग्राहकों के लिए यह सीमा छह है।

उन्होंने बताया कि अप्रैल और मई के महीने में टेलीकॉम सिम सब्सक्राइबर वेरिफिकेशन विश्लेषण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड फेशियल रिकॉग्निशन पावर्ड सॉल्यूशन ने खुलासा किया कि बिहार और झारखंड में एक उपभोक्ता को अनुमति से अधिक नौ से ज्यादा कनेक्शन देकर कुल 21,800 मोबाइल कनेक्शन जारी किए गये। उन्होंने कहा कि ऐसे करीब 17,000 नंबर के कनेक्शन काट दिये गये हैं। इस तरह के नंबरों की पहचान करने के लिए और विश्लेषण किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि झारखंड भी डीओटी के एलएसए (बिहार) के अधिकार क्षेत्र में आता है। डीओटी ने अप्रैल और मई के महीने में बिहार और झारखंड के लगभग सात करोड़ ग्राहकों का फेशियल विश्लेषण किया और पाया कि 21,800 मोबाइल कनेक्शन स्वीकृत सीमा से अधिक जारी किये गये थे।

उन्होंने बताया कि डीओटी ने हाल में मोबाइल ग्राहकों को सशक्त बनाने, उनकी सुरक्षा को मजबूत करने और केंद्र सरकार की नागरिक केंद्रित पहलों के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए एक डिजिटल पोर्टल ह्यसंचार साथीह्न शुरू किया है।

यह पोर्टल नागरिकों को उनके नाम पर जारी किये गये कुल मोबाइल नंबरों का पता लगाने और उनके खोए हुए फोन का पता लगाने-ब्लॉक करने की सुविधा प्रदान करता है। यह उन्हें उन मोबाइल कनेक्शन की रिपोर्ट करने में भी सुविधा प्रदान करता है, जिनकी या तो आवश्यकता नहीं है या उपभोक्ता द्वारा नहीं लिया गया है।

उन्होंने बताया कि डीओटी पहले ही अप्रैल और मई के महीने में बिहार और झारखंड में 2.30 लाख से अधिक मोबाइल नंबरों को निष्क्रिय कर चुका है। क्योंकि, उनके अधिकांश सिम कार्ड कथित रूप से अवैध तरीकों से खरीदे गये थे। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने 2900 प्वाइंट ऑफ सेल्स (पीओएस) को भी काली सूची में डाल दिया है, जो सिम कार्ड जारी करते समय अनैतिक और अवैध कार्यों में शामिल पाये गये थे।

अधिकारी ने कहा कि दूरसंचार सेवा प्रदाता फर्जी पीओएस के साथ उपभोक्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर रहे हैं। डीओटी, पटना कार्यालय भी राज्य पुलिस के संपर्क में है और एएसटीआर विश्लेषण से तैयार की गई खुफिया जानकारी को साझा किया है।

रांची समाहरणालय में 30 निम्नवर्गीय कर्मचारियों की नियुक्ति का आदेश जारी

रांची। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने लंबे समय से मैन पावर की कमी से जूझ रहे रांची समाहरणालय में 30 निम्नवर्गीय कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए आदेश जारी किया है।

जारी आदेश के अनुसार, झारखंड कर्मचारी आयोग के निर्देश पर संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2017 के राज्यस्तरीय मेधा सूची के आधार पर समाहरणालय में 30 निम्नवर्गीय लिपिक की सीधी नियुक्ति की जायेगी। नियुक्ति के लिए शैक्षणिक प्रमाण पत्र और अन्य प्रमाण पत्रों की जांच छह जून को होगी।

जानकारी के अनुसार, लिपिक संवर्ग की परीक्षा जेएसएससी ने साल 2017 में ली थी। छह साल बीत गये लेकिन आज तक इसका रिजल्ट नहीं जारी किया गया। सरकार के पास यह मामला लंबित है। जिला समाहरणालय में तृतीय, चतुर्थवर्गीय कर्मियों के अलावा राजस्व उप-निरीक्षक, अमीन, स्टेनो के पद हैं। इनके नियंत्री व नियोजन पदाधिकारी उपायुक्त (डीसी) होते हैं। इस संवर्ग के कर्मियों की तैनाती समाहरणालय, अनुमंडल कार्यालय, सभी प्रखंड और अंचल कार्यालय में होती है। समाहरणालय के अलावा 22 अंचल, 18 प्रखंड और 02 अनुमंडल कार्यालय हैं। यहां कर्मचारी के 332 पद स्वीकृत है, लेकिन 260 कर्मचारी पूरे रांची जिले में कार्यरत हैं।

रांची जिला समाहरणालय के विभिन्न कार्यालयों में 114 स्वीकृत पद हैं लेकिन सिर्फ 81 कर्मचारी ही कार्यरत हैं। कार्यालयों में 33 पद अभी भी रिक्त पड़े हैं। कुल 22 अंचलों में 157 स्वीकृत पद हैं लेकिन 101 पदों पर ही कर्मचारी कार्यरत हैं। अंचलों में 56 पद खाली हैं। अंचलों में अमीन के 25 पद स्वीकृत हैं लेकिन केवल 14 अमीन ही कार्यरत हैं। शेष 11 पद खाली पड़े हैं। अंचलों में 14 पद कानूनगो क्षेत्र खाली हैं।

> रांची जिला समाहरणालय के विभिन्न कार्यालयों में 114 स्वीकृत पद हैं लेकिन सिर्फ 81 कर्मचारी ही कार्यरत हैं। कार्यालयों में 33 पद अभी भी रिक्त पड़े हैं। कुल 22 अंचलों में 157 स्वीकृत पद हैं लेकिन 101 पदों पर ही कर्मचारी कार्यरत हैं। अंचलों में 56 पद खाली हैं। अंचलों में अमीन के 25 पद स्वीकृत हैं लेकिन केवल 14 अमीन ही कार्यरत हैं। शेष 11 पद खाली पड़े हैं। अंचलों में 14 पद कानूनगो क्षेत्र खाली हैं।

नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से नहीं कराए जाने के खिलाफ रांची में कांग्रेस का धरना

रांची

देश का लोकतंत्र खतरे में, इसे बचाना कांग्रेस का दायित्वः राजेश ठाकुर

देश के नये संसद भवन के उद्घाटन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नहीं बुलाए जाने का कांग्रेस ने दमदार विरोध किया है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रविवार को रांची में विरोध स्वरूप बिरसा चौक पर धरना दिया।धरना में प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक दल नेता एवं मंत्री आलमगीर आलम, राजीव रंजन प्रसाद, रवींद्र सिंह, राकेश सिन्हा, राकेश किरण, अमूल्य नीरज खलखो, चंद्रकांत शुक्ला, शमशेर आलम, कुमार राजा सहित कई नेता उपस्थित थे।प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि देश के संवैधानिक प्रमुख, सेना प्रमुख और संसद के दोनों सदनों को संबोधित करने वाली राष्ट्रपति को नहीं बुलाना, उनसे उद्घाटन नहीं कराना, पूरी तरह से तानाशाही रवैया है। यह लोकतंत्र के लिए बहुत ही घातक है। उन्होंने कहा कि यह संवैधानिक संस्थानों को खत्म करने की साजिश है, जिसे कांग्रेस कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। विपक्ष के बार-बार आग्रह, मांग और निवेदन के बाद भी भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी एक नहीं सुनी। आज देश का लोकतंत्र खतरे में है। इसे बचाना कांग्रेस का दायित्व है।ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की आपत्ति यह नहीं है कि देश के प्रधानमंत्री इसका उद्घाटन कर रहे हैं। आपत्ति यह है कि आप चार्टर्ड प्लेन से पंडित और पुजारी मंगवा रहे हैं लेकिन दिल्ली में बैठी देश के संवैधानिक प्रमुख राष्ट्रपति को उद्घाटन समारोह में नहीं बुला रहे हैं। यह कैसी जिद और कैसी नयी परंपरा की शुरूआत है। देश की जनता राष्ट्रपति के इस अपमान को कभी भूल नहीं पायेगी।

रांची में मानसून से पहले नालियों की नहीं हुई सफाई तो शहर होगा बदहाल

रांची। मौसम विभाग के अनुसार 15 जून के बाद मानसून दस्तक देने वाला है। इसमें महज 20 दिन रह गये हैं लेकिन रांची नगर निगम ने शहर के बड़े-छोटे तमाम नालों की सफाई का कार्य अभी पूरा नहीं किया है। व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो पहली बरसात में ही शहर की सूरत बिगड़ जायेगी।

शहर में अंडरग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण किया गया है। यह नाला चारों ओर से पैक है। ड्रेनेज सिस्टम कहीं सड़क से ऊंचा है, तो कहीं नीचा। इस कारण भी जल जमाव की समस्या पैदा होती है। लोगों का कहना है कि जब तक पैक नाले का स्लैब हटाकर व बंद नाले को कटर से काट कर इसकी पूरी सफाई नहीं की जायेगी तब तक सुधार होने की कोई गुंजाइश नहीं है। इसे बारिश से पूर्व नहीं किया गया तो भारी परेशानी होगी। भारी बारिश से गली मुहल्लों को जलमग्न होने से कोई बचा नहीं पायेगा।

झारखंड में बदलते मौसम ने कराया गर्मी का एहसास

रांची। राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ होने से एक बार फिर गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। अब तक आसमान में बादल छाए हुए थे। इसके छंटने से गर्मी फिर तेज हो गई। रविवार सुबह से ही धूप छांव के बीच तीखी धूप ने गर्मी का एहसास करना शुरू कर दिया।

रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने रविवार को बताया कि 30 और 31 मई को हल्के बादल छा सकते हैं लेकिन एक जून से गर्मी बढ़ेगी। तापमान में तीन डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। राज्य में अगले चार दिनों के दौरान भीषण गर्मी से लोगों को दो चार होना पड़ेगा।

बारिश के आंकड़े बताते हैं कि बोकारो थर्मल में 52.4 मिमी बारिश हुई। हवा की रफ्तार 64.7 किमी प्रति घंटा रही। अन्य शहरों में बारिश की स्थिति की बात करें धनबाद में 38.4, जामताड़ा में 27.4, चंद्रपुरा में 22, हजारीबाग में 21.5, रांची के मांडर में 20.4 और गुमला में 10 मिलीमीटर बारिश का रिकॉर्ड दर्ज किया गया।

खरकई और स्वर्णरेखा नदी की बदहाली पर विधायक सरयू राय एवं विभिन्न राजनितिक दलों एवं समाजिक संगठनों के बीच परिचर्चा हुई

जमशेदपुर

जमशेदपुर की जीवनरेखा खरकई और स्वर्णरेखा के संरक्षण के लिए जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय की अगुवाई में विभिन्न राजनितिक दलों और समाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की एक परिचर्चा का आयोजन बिष्टुपुर स्थित परमहंस लक्ष्मीनाथ गोस्वामी मंदिर परिसर में आयोजित कि गई। इस अवसर पर जेएनएसी के विशेष पदाधिकारी संजय कुमार, मानगो नगर निगम के कार्यपालक पदाधिकारी सुरेश यादव, आदित्यपुर नगर निगम के अधिकारी, जेएनएसी के द्वारा बहला कंसल्टेंट उपस्थित हुए। विधायक सरयू राय ने कहा की जमशेदपुर शहर का अस्तित्व स्वर्णरेखा और खरकई दोनो नदियों से है. पीछले कई वर्षों से कई बस्तियाँ नदियों के आस पास बसीं है। नदी की पानी में प्रदुषण बढ़ते जा रहा है. धीरे धीरे नदी का पीने का पानी उपयोग के लायक नहीं रह गया है। उद्योगों की गंदगी सीधे नदियों में प्रवाहित हो रही है. घनी आबादी के बीच से जो नाले निकलते है उसका जल बिना साफ किए सीधे नदियों में जा रहा है। खरकई नदी वर्तमान में पुरी तरह से स्थिर हो गई है. ओडिशा डैम से पानी नहीं मिल रहा है। इंचा डैम और सतनाला डैम बनाने की योजना थी लेकिन डैम निर्माण का कार्य नही होने के कारण नदियों को उचित जल प्रवाह नहीं मिल पा रहा है। नदी के किनारे अधिक संख्या में घरों का निर्माण होने से घरों का पानी सीधे नाले में होकर नदी में जा रहा है। जिन उद्योगों का पानी सीधे नदी में जा रहा है उन्हें शुद्ध कर नदी में प्रवाहित करने की आवश्यकता है. जिन घरों का पानी सीधे नालों में जा रहा है वहाँ सरकार को सौकपीट बनाना चाहिए। नदियों के जल को निर्मल और अविरल बनाने की आवश्यकता है। आज खरकई की अविरलता समाप्त हो गई है। खरकई नदी में नई तरह की जलकुम्भी उत्पन्न हो गई है। नदियों में किड़े पनप रहे हैं जिसे नष्ट करना एजेंसियों के बस के बाहर है। नदियों को साफ करने के लिए जनता की भुमिका क्या हो सकती है इसपर मंथन करना होगा। सरयू राय ने बताया की वर्ष 2004 में दामोदर बचाओ अभियान चलाया गया। उस समय पारवप्लांट की छाई सीधे नदी में प्रवाहित की जा रही थी। सरकार और उद्योगों से वार्ता हुई। भारत सरकार से सहयोग लिया गया और पीछले तीन वर्षों में दामोदर को उद्योगीक प्रदुषण से पुरी तरह से मुक्त कर लिया गया. नगरीय प्रदुषण से मुक्त करने के लिए भारत सरकार के सौजन्य से नमामी गंगा प्रोजेक्ट के तहत झारखंड में तीन जगह सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जा रहा है। स्वर्णरेखा और खरकई को भी नगरीय और उद्योगीक प्रदुषण से मुक्त करने के लिए अभियान चलाना होगा. स्वर्णरेखा बचाओ-खरकई बचाओ फोरम बनाकर अभियान चलाना होगा। जल संकट दिन - प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। फर्स्ट पर्सन सिंगुलर नम्बर अर्थात हमारी पहल क्या हो सकती है इस दिशा में हमे विचार करना होगा. प्रतिदिन हमारी दिनचर्या में हम पर्यावरण संरक्षण के लिए क्या कर सकते है इस बात पर विचार करना होगा। श्री राय ने ऐलान किया दिनांक 5 जुन को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जमशेदपुर के आम नागरिकों के साथ सांकेतिक धरना का आयोजन किया जाएगा। जेएनएसी के विशेष पदाधिकारी, मानगो नगर निगम के कार्यपालक पदाधिकारी, आदित्यपुर के अधिकारियों ने नदियों के संरक्षण और नालों की सफाई के लिए अपनी कार्य योजना की जानकारी साझा की. जेएनएसी के द्वारा बहाल कंसल्टेंट ने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण की अपनी योजना बताई। कार्यक्रम का संचालन मुकुल मिश्रा ने किया. इस अवसर पर उपस्थित हुए समाजसेवी एके श्रीवास्तव, जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, अर्बन डेवलेपमेंट के कंसलटेंट बीप ी यादव, जुडको के नैन मोदक, आदित्यपुर नगर निगम के अजक कुमार, मानव केडिया, सत्यनारायण अग्रवाल, मुन्ना सिंह, विनिता साह, शिवपुजन सिंह, आरवीवी सिंह, नीरू सिंह, शीतल खुल्लर, ओम प्रकाश सिंह, रविंद्र नाथ चैबे, दिलीप गोयल, तापस चटर्जी, काजल चैधरी, राम नारायण शर्मा, सुबोध श्रीवास्तव, मनोज सिंह उज्जैन, मंजु सिंह, चंद्रशेखर राव, प्रकाश कोया, अमित शर्मा, सहित अन्य उपस्थित थे।

बिगा मिंज ने जदयू में की घर वापसी

रांची। जदयू के प्रदेश कार्यालय में रविवार को आयोजित मिलन समारोह में आदिवासी नेता बिगा मिंज जदयू में शामिल हए। उन्हें जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने दल की सदस्यता ग्रहण कराई। उनके साथ उनके कई समर्थकों ने भी पार्टी की सदस्यता ली।

बिगा मिंज के जदयू में शामिल होने पर जदयू नेता श्रवण कुमार, भगवान सिंह, सागर कुमार, उपेन्द्र सिंह, आशा शर्मा, संजय सिंह, रामजी प्रसाद एवं अन्य ने उन्हें माला पहनाकर दल में उनका स्वागत किया। मिंज के जदयू की सदस्यता ग्रहण करने पर खीरू महतो ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि बिगा मिंज पूर्व में भी मेरे साथ काम कर चुके हैं। पार्टी के युवा मोर्चा के अध्यक्ष रह चुके हैं। इनके आने से आदिवासी समुदाय के लोगों का रुझान पार्टी की ओर बढ़ेगा और पार्टी का संगठन इनके सहयोग से रांची जिला में धारदार होगा।

जदयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद बिगा मिंज ने कहा कि उन्होंने घर वापसी की है। खीरू महतो और पार्टी उनसे जो अपेक्षा करती है, वह उसपर खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही बेड़ों प्रखण्ड में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित कर सैकड़ों लोगों को पार्टी से जोड़ेंगे। इटकी, बेड़ों, मांडर, चान्हो और लापुंग में जदयू को मजबूत करेंगे। मिंज के साथ प्रमुख रूप से राम महली, दशरथ साहू, जुलफम अंसारी, बिगा उरांव, तफज्जुल मंसूरी, सिद्दीक अंसारी, गुप्तेश्वर साहू सहित अन्य ने जदयू की सदस्यता ग्रहण की।

रांची में बाइक और मोबाइल लूटकांड के तीन आरोपित गिरफ्तार

रांची। अनगड़ा थाना पुलिस ने बाइक और मोबाइल लूटकांड मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें मोहम्मद कैफ उर्फ टेना, अरसलान अंजर और अक्षय सिंह शामिल हैं। इनके पास से लूटी गई पल्सर बाइक, रेडमी कंपनी का मोबाइल, घटना में प्रयोग किया गया बाइक और चाकू बरामद किया गया है।

ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 16 मई को साजन पोद्दार ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया था कि अनगड़ा थाना के चमघाटी में तीन अपराधी उनके बाइक का दूसरे बाइक से ओवरटेक कर चाकू मारकर बाइक और मोबाइल लूट कर फरार हो गए। एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी नवीन कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया । टीम ने तकनीकी शाखा और अनुसंधान के क्रम में मामले में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया और लूट का सामान बरामद किया।

संपादकीय

मणिपुर की आग कब तक बुझेगी

मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। फिर से वहां सेना को तैनात करना पड़ा। पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद करनी पड़ीं। करीब एक पखवाड़ा पहले जब हिंसा भड़की थी, तब अनेक घरों में आग लगा दी गई, कई लोग मारे गए थे। तब करीब दस हजार लोगों को हिंसाग्रस्त इलाकों से बाहर निकालना पड़ा था। उस वक्त सरकार ने उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया था। उसके बाद करीब दस दिनों तक कोई उपद्रव नहीं हुआ, मगर सोमवार को एक बार फिर से इंफल इलाके में हिंसा भड़क उठी। बताया जा रहा है कि वहां मैतेई समुदाय के लोगों से जबरन दुकानें बंद कराई जाने लगीं, जिसे लेकर हिंसा भड़की। इस बार गनीमत है कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मगर कुछ घरों को इस बार भी आग के हवाले कर दिया गया। ऐसे में सवाल है कि मणिपुर की यह आग कब तक शांत होगी। विवाद दरअसल वहां के उच्च न्यायालय के इस आदेश पर शुरू हुआ कि उसने राज्य सरकार को मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की दस साल पुरानी मांग पर विचार करने को कहा। इससे वहां के मान्यता प्राप्त जनजातीय समुदायों में ऐसी आशंका पैदा हुई कि सरकार मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा दे सकती है और वे उनके संरक्षित भूभाग पर कब्जा करना शुरू कर सकते हैं। मणिपुर में मुख्य रूप से तीन समुदाय के लोग रहते हैं। उनमें से नगा और कुकी मान्यता प्राप्त जनजातीय समुदाय हैं और उनका वहां के लगभग नब्बे फीसद संरक्षित पहाड़ी भूभाग पर कब्जा है। मैतेई समुदाय आबादी के लिहाज से इन दोनों जनजातियों से करीब दोगुना है, पर भूभाग का केवल दस फीसद हिस्सा उनके लिए मुक्त है। इस तरह वे मुख्य रूप से इंफल इलाके तक सीमित हैं। मगर मैतेई समुदाय हर दृष्टि से प्रभावशाली है। राजनीति में इसी समुदाय के विधायक अधिक हैं, साठ में से चालीस। फिर प्रशासन में भी उन्हीं का दबदबा है। वे बरसों से मांग करते रहे हैं कि उन्हें भी जनजातीय समुदाय का दर्जा मिलना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो मैतेई समुदाय को भी जनजातियों के संरक्षित भूभाग में प्रवेश का हक मिल सकता है। इसीलिए मान्यता प्राप्त जनजातियां आशंकित रहती हैं। इस तथ्य से वहां की सरकार अनजान नहीं है, मगर उसने कभी गंभीरता से इस मसले को निपटाने का प्रयास ही नहीं किया। जबसे वहां नई सरकार आई है, तबसे जनजातीय लोगों में यह आशंका घर करती गई है कि वह मैतेई समुदाय को प्रश्रय दे रही है। उनकी यह आशंका तब आक्रोश में बदल गई, जब इस साल फरवरी में संरक्षित पहाड़ी इलाकों से अवैध लोगों को निकालने का अभियान शुरू किया गया। सरकार का कहना था कि बाहरी लोग वहां जाकर बस गए हैं, जबकि जनजातीय समुदायों का दावा है कि वे उन्हीं के बीच के लोग हैं। उसके बाद जब उच्च न्यायालय का आदेश आया, तो उनका आक्रोश फट पड़ा और वे आगजनी पर उतर आए। अब वहां की लड़ाई वर्चस्व की लड़ाई में बदलती जा रही है। ताजा हिंसा में जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है उनमें से एक पूर्व विधायक भी है, जिसका संबंध सत्तापक्ष से है। अगर वहां की सरकार इसी तरह समुदायों के बीच पैदा हुई वैमनस्यता को स्थायी रूप से समाप्त करने के बजाय तदर्थ भाव से सेना के बल पर रोकने का प्रयास करती रहेगी, तो यह आग शायद ही जल्दी शांत हो।

नोट बदलने की प्रक्रिया में पारदर्शित अपनाने की जरूरत

(शकुंतला महेश नेनावा)

कालेधन और नकली नोटों के परस्पर संबंध से इंकार नहीं किया जा सकता। जितना मूल्यवान नोट होता है, उतना ही ज्यादा कालाधन एकत्रित होता है और नकली नोटों का जखीरा भी। पिछली बार की नोटबंदी में भले असली नोटों का प्रतिशत ज्यादा और नकली नोटों का कम रहा हो, पर इसका हमला कालाधन एकत्रित करने वालों, नकली नोट चलाने वालों और देश में अवैध गतिविधयां चलने वालों पर अवश्य हुआ।दो हजार के नोटों के चलन से बाहर करने के रिजर्व बैंक के निर्णय से आम लोग अवश्य कुछ परेशान होंगे, पर कालाधन एकत्रित करने और नकली नोट बनाने वालों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। अधिकांश आम नागरिक तो इससे अछूते ही रहेंगे, क्योंकि दो हजार के नोट वे अत्यावश्यक परिस्थितयों में ही रखते हैं।साफ-सुथरे, हिसाब-किताब रखने वाले, वेतनभोगी और बैंक खाताधारक पर दो हजार रुपये की नोटबंदी से कोई विशेष फर्क नहीं पड़ने वाला। पिछली बार सरकार ने अभियान चला कर लोगों के बैंक खाते खुलवा कर उन्हें बैंकों में धन रखने की एक अच्छी आदत डाल दी थी, जिससे पैसा भी सुरक्षित, हिसाब-किताब भी सही, डिजिटल लेनदेन की प्रवृत्ति बढ़ने से लोगों में जागरूकता भी बढ़ी है।सबसे बड़ी बात यह कि 'सांच को आंच क्या' घबराएं तो फरेबी घबराएं। अंत में इतना जरूर है कि नोट बदलने की प्रक्रिया में पारदर्शित बनी रहे, इसके नाम पर धोखाधड़ी न हो, कमीशनखोरी न पनपे और सही व्यक्ति को नोट बदलवाने में परेशानी न हो, इसका खयाल बैंक, सरकारी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को मुस्तैदी से रखना होगा, ताकि पिछली बार जैसी लोगों को परेशानी न होने पाए।

अधिकांश आम नागरिक तो इससे अछूते ही रहेंगे, क्योंकि दो हजार के नोट वे अत्यावश्यक परिस्थितयों में ही रखते हैं।साफ-सुथरे, हिसाब-किताब रखने वाले, वेतनभोगी और बैंक खाताधारक पर दो हजार रुपये की नोटबंदी से कोई विशेष फर्क नहीं पड़ने वाला।

फिर दिल्ली, अध्यादेश और अदालत

यह अध्यादेश सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ द्वारा 11 मई को सर्वसम्मति से पारित फैसले के मद्देनजर लाया गया है। इस फैसले में शीर्ष अदालत ने उप-राज्यपाल के बजाय लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई स्थानीय सरकार को दिल्ली की सेवाओं पर नियंत्रण का अधिकार दिया था। पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने माना था कि भूमि, पुलिस और पब्लिक ऑर्डर को छोड़कर जनता द्वारा निर्वाचित दिल्ली सरकार के पास ही नौकरशाहों के स्थानांतरण और पोस्टिंग के मुद्दे पर अंतिम विधायी और समान विस्तार वाली कार्यकारी शक्ति होनी चाहिए। अदालत के फैसले के पीछे तर्क यह था कि चूंकि सिविल सेवक 'सरकारी नीतियों के क्रियान्वयन में निर्णायक भूमिका निभाते हैं', इसलिए निर्वाचित सरकार इतनी सक्षम होनी चाहिए कि वह अपनी सेवाओं में तैनात नौकरशाहों को नियंत्रित कर सके और उनकी जिम्मेदारी तय कर सके।

(वृंदा भंडारी, अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट)

बीते शुक्रवार की देर शाम राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (संशोधन) अध्यादेश, 2023 जारी किया, जिसने सेवाओं पर दिल्ली सरकार की शक्तियां छीन लीं। उसके बजाय केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त उप-राज्यपाल (एलजी) को दिल्ली सरकार के नौकरशाहों के स्थानांतरण व पोस्टिंग से जुड़े मसलों पर अंतिम फैसला लेने का अधिकार दे दिया गया। नए अध्यादेश में नौकरशाहों के ट्रांसफर-पोस्टिंग से संबंधित मुद्दों पर फैसले लेने के लिए एक वैधानिक निकाय 'राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण' का गठन किया गया है, जिसमें तीन सदस्य होंगे- दिल्ली के मुख्यमंत्री, यहां के मुख्य सचिव और प्रधान गृह सचिव। इसका अर्थ यह है कि निर्वाचित मुख्यमंत्री के फैसले को दो वरिष्ठ नौकरशाह, जो निश्चय ही जनता के चुने हुए प्रतिनिधि नहीं होंगे, वीटो या खारिज कर सकते हैं।

यह अध्यादेश सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ द्वारा 11 मई को सर्वसम्मति से पारित फैसले के मद्देनजर लाया गया है। इस फैसले में शीर्ष अदालत ने उप-राज्यपाल के बजाय लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई स्थानीय सरकार को दिल्ली की सेवाओं पर नियंत्रण का अधिकार दिया था। पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने माना था कि भूमि, पुलिस और पब्लिक ऑर्डर को छोड़कर जनता द्वारा निर्वाचित दिल्ली सरकार के पास ही नौकरशाहों के स्थानांतरण और पोस्टिंग के मुद्दे पर अंतिम विधायी और समान विस्तार वाली कार्यकारी शक्ति होनी चाहिए। अदालत के फैसले के पीछे तर्क यह था कि चूंकि सिविल सेवक 'सरकारी नीतियों के क्रियान्वयन में निर्णायक भूमिका निभाते हैं', इसलिए निर्वाचित सरकार इतनी सक्षम होनी चाहिए कि वह अपनी सेवाओं में तैनात नौकरशाहों को नियंत्रित कर सके और उनकी जिम्मेदारी तय कर सके।

जाहिर है, ताजा अध्यादेश से प्रक्रियात्मक, औचित्य और बुनियादी मुद्दों से जुड़े तमाम तरह के सवाल पैदा हो गए हैं। सामान्यतः अध्यादेशों को संविधान के अनुच्छेद 123 के तहत तब जारी किया जाता है, जब संसद के दोनों सदनों का सत्र न चल रहा हो, और जब राष्ट्रपति को लगता है कि ऐसी परिस्थितियां पैदा हो गई हैं, जिसके लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। इस प्रकार, अनुच्छेद 123 बनाने के पीछे 'अति-आवश्यकता' की भावना रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2017 में कृष्ण कुमार सिंह बनाम बिहार सरकार के मामले में एक महत्वपूर्ण निर्णय दिया था, जिसका उल्लेख यहां उचित होगा। उस फैसले में कहा गया था कि अध्यादेश जारी करने की शक्ति राष्ट्रपति को इसलिए दी गई है, ताकि जब 'अप्रत्याशित हालात बन जाएं और उनसे निपटने के लिए विधायी उपायों की दरकार हो', तब कोई सांविधानिक शून्य की स्थिति न बनने पाए। सात न्यायाधीशों की पीठ ने कहा था कि अध्यादेश जारी करना एक असाधारण शक्ति है, जिसका मकसद सांविधानिक जरूरतों को पूरा करना है।

जाहिर है, ताजा अध्यादेश से प्रक्रियात्मक, औचित्य और बुनियादी मुद्दों से जुड़े तमाम तरह के सवाल पैदा हो गए हैं। सामान्यतः अध्यादेशों को संविधान के अनुच्छेद 123 के तहत तब जारी किया जाता है, जब संसद के दोनों सदनों का सत्र न चल रहा हो, और जब राष्ट्रपति को लगता है कि ऐसी परिस्थितियां पैदा हो गई हैं, जिसके लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

आखिर वह 'असाधारण परिस्थिति' थी क्या, जिसके लिए अभी कार्यपालिका को तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत महसूस हुई। हमारी नजर स्वाभाविक तौर पर आठ दिन पहले दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले की तरफ जाती है। ताजा अध्यादेश का मुख्य उद्देश्य अदालती फैसले के प्रभाव को कम करना जान पड़ता है। केंद्र सरकार ने दावा किया था कि सुप्रीम कोर्ट में आने से पहले सेवाओं को नियंत्रित करने और दिल्ली में नौकरशाहों के स्थानांतरण की शक्ति में उसे सर्वोच्चता हासिल थी। जाहिर है, सर्वसम्मत फैसले में हारने के तुरंत बाद उसने यह अध्यादेश लाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कमतर करने का प्रयास किया है। अध्यादेश में कहा गया है कि यह इसलिए जारी किया गया है, क्योंकि यह 'व्यापक राष्ट्रीय हित में है कि लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई केंद्र सरकार के जरिये पूरे देश के लोगों की कुछ भूमिका राष्ट्रीय राजधानी के प्रशासन में हो', और 'अपनी राजधानी पर शासन करने की राष्ट्र की इस लोकतांत्रिका इच्छा' को प्रभावी बनाने के लिए यह कदम उठाया जाता है। इस तरह से केंद्र ने (उप-राज्यपाल के माध्यम से) सेवाओं पर दिल्ली सरकार का अधिकार अपने हाथों में ले लिया।

यह जगजाहिर तथ्य है कि नौकरशाहों के स्थानांतरण और पोस्टिंग का अधिकार सीधे तौर पर शासन की दक्षता व प्रभावशीलता से जुड़ा होता है, क्योंकि ये (गैर-निर्वाचित) नौकरशाह ही होते हैं, जो नीतियों को जमीन पर लागू करने की व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसीलिए, अध्यादेश की भाषा ऐसी जान पड़ती है कि केंद्र सब कुछ अपने हाथों में रखने के प्रयास कर रहा है, और लोकतांत्रिक जवाबदेही, प्रतिनिधि सरकार व सहकारी संघवाद के सिद्धांतों को कमतर करना चाहता है।

इस अध्यादेश को जारी करने का समय भी काफी खास है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई को अपना फैसला सुनाया था और 19 मई की देर शाम अध्यादेश जारी कर दिया गया, जबकि उसी दिन शीर्ष अदालत छुट्टियों के लिए बंद हो रही थी। इसके साथ ही कुछ अन्य मसले भी इसके साथ नत्थी हैं। मसलन, अदालती फैसले के आधार को हटाकर, जो कि विधायी अधिनियम द्वारा किया जा सकता है, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को बेअसर करने की कसौटी पर क्या यह अध्यादेश खरा उतरता है, या सीधे-सीधे यह अदालत का विरोध है, जो अस्वीकार्य माना जाता है? अदालत को इस बात पर भी विचार करना होगा कि क्या यह अध्यादेश दिल्ली के शासकीय ढांचे से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 239 (अ)(अ) में संशोधन किए बिना उसके फैसले को निष्प्रभावी बनाता है? सुप्रीम कोर्ट को संघवाद पर इस अध्यादेश के प्रभाव के बारे में भी गौर करना होगा, जो संविधान का एक बुनियादी हिस्सा है।

निस्संदेह, इस बात की पूरी संभावना है कि इस अध्यादेश को सुप्रीम कोर्ट के सामने चुनौती दी जाएगी। जब भी ऐसा किया जाएगा, यह लाजिमी है कि शीर्ष अदालत मामले की सुनवाई तत्काल आधार पर करे और शीघ्रता से इस मसले का निपटारा करे। देरी के कारण होने वाली न्यायिक सुस्ती कहीं इतनी लंबी न खिंच जाए कि यथास्थिति ही बनी रह जाए।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

जब विश्व शक्तियां मोदी को बॉस कहें

पैर छुएं तो इससे भारत के वैश्विक कद का पता चलता है

धानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में वैसे तो हर देश रेड कार्पेट बिछाता है लेकिन आस्ट्रेलिया ने रेड कार्पेट बिछाने के अलावा आकाश में ही लिख दिया 'वेलकम मोदी'। यही नहीं, आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री भारत के प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते करते उन्हें अपने बॉस भी बता बैठे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति मोदी से कह ही चुके हैं कि आप बहुत लोकप्रिय नेता हैं। इसके अलावा अभी एक दिन पहले पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री ने मोदी के आगमन के समय उनके पैर छुए थे और उनको अपने देश का सर्वोच्च सम्मान देने के साथ ही भारत के प्रधानमंत्री को ग्लोबल साउथ का लीडर करार दिया था। यही नहीं, छोटे से लेकर बड़े देशों तक में होड़ लगी है कि वह मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान दें। यह सब दर्शाता है कि भारत में प्रचंड बहुमत की सरकार चला रहे नरेंद्र मोदी का वैश्विक राजनीति में क्या कद है।

(नीरज कुमार दुबे)

प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और आस्ट्रेलिया के रिश्तों की जो सी-डी-ई समझायी है वह दर्शाती है कि आपसी विश्वास, एक दूसरे के प्रति सम्मान और साझा जरूरतें दोनों देशों को बेहद करीब लाई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में वैसे तो हर देश रेड कार्पेट बिछाता है लेकिन आस्ट्रेलिया ने रेड कार्पेट बिछाने के अलावा आकाश में ही लिख दिया 'वेलकम मोदी'। यही नहीं, आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री भारत के प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते करते उन्हें अपने बॉस भी बता बैठे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति मोदी से कह ही चुके हैं कि आप बहुत लोकप्रिय नेता हैं। इसके अलावा अभी एक दिन पहले पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री ने मोदी के आगमन के समय उनके पैर छुए थे और उनको अपने देश का सर्वोच्च सम्मान देने के साथ ही भारत के प्रधानमंत्री को ग्लोबल साउथ का लीडर करार दिया था। यही नहीं, छोटे से लेकर बड़े देशों तक में होड़ लगी है कि वह मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान दें। यह सब दर्शाता है कि भारत में प्रचंड बहुमत की सरकार चला रहे नरेंद्र मोदी का वैश्विक राजनीति में क्या कद है। विदेशी नेता भी जिस तरह मोदी के फैन हैं उससे यह भी पता लगता है कि क्यों वैश्विक नेताओं के सूची में नरेंद्र मोदी की ही सबसे ज्यादा ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग रहती है।

वैसे आज सिडनी में 'नमस्ते आस्ट्रेलिया' कार्यक्रम संपन्न होने के बाद निश्चित रूप से आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी राहत की सांस ली होगी क्योंकि जबसे मोदी का भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करने का कार्यक्रम तय हुआ था तबसे भीड़ के प्रबंधन को लेकर आस्ट्रेलियाई सरकार और प्रशासन के हाथ-पांव फूले हुए थे। खुद प्रधानमंत्री अल्बनीज ने यह बात मोदी को बताई भी थी। सिडनी में मोदी के कार्यक्रम के बाद अल्बनीज की तो मुश्किल हल हो गयी लेकिन अभी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की मुश्किलें बरकरार हैं क्योंकि हिरोशिमा में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा था कि आपके राजकीय दौरे के दौरान दिये जाने वाले रात्रिभोज में शामिल होने के लिए अमेरिका की बड़ी हस्तियों के बीच मारामारी मची हुई है।

प्रधानमंत्री के संबोधन की बड़ी बातें- प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और आस्ट्रेलिया के रिश्तों की जो सी-डी-ई समझायी है वह दर्शाती है कि आपसी विश्वास, एक दूसरे के प्रति सम्मान और साझा जरूरतें दोनों देशों को बेहद करीब लाई हैं। सिडनी सामुदायिक कार्यक्रम में द 'लिटिल इंडिया' गेटवे की आधारशिला रखा जाना आने वाली पीढ़ियों को भी करीब लायेगा। साथ ही प्रधानमंत्री के संबोधन ने आस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीयों में जिस ऊर्जा का संचार किया है वह उन्हें बरसों बरस याद रहेगी। अपने संबोधन के माध्यम से प्रधानमंत्री ने विश्व को भारत की युवा शक्ति और हर संकल्प को सिद्ध करने की जिद से भी अवगत कराते हुए हाल के वर्षों में देश की उपलब्धियों का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने ब्रिसबेन में भारत का नया वाणिज्य दूतावास खोलने की मांग मान कर जहां भारतीयों का दिल जीता वहीं आस्ट्रेलिया की विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों और उद्योगपतियों को भी भारत की सुनहरी तस्वीर दिखा कर उन्हें भारत आने और निवेश करने का निमंत्रण दिया है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती चुनौतियों के बीच भारत और आस्ट्रेलिया द्विपक्षीय रूप से और क्वॉड सदस्य के रूप में जिस तरह मित्रता मजबूत कर रहे हैं उससे ड्रैगन का घबराना स्वाभाविक ही है।

आस्ट्रेलियाई हस्तियों से मुलाकात- हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विज्ञान, कृत्रिम मेधा (एआई), सामाजिक कार्य और कला एवं संगीत जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई हस्तियों के साथ बातचीत भी की और उन्हें भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को मजबूत करने में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। मोदी ने जिन हस्तियों से मुलाकात की, उनमें नोबेल पुरस्कार विजेता ब्रायन पॉल श्मिट, 'टॉयलेट वॉरियर' मार्क बल्ला, कलाकार डेनियल मेट, रॉकस्टार गाइ सेबेस्टियन और सेलिब्रिटी शेफ एवं रेस्तरां मालिक सारा टॉड शामिल थीं।

उद्योगपतियों से मुलाकात- इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख कंपनियों के उद्योगपतियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रौद्योगिकी, कौशल और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भारतीय उद्योग के साथ सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। मोदी ने उद्योगपतियों की बैठक के दौरान हैनकॉक प्रॉस्पेक्टिंग की कार्यकारी चेयरमैन जीना राइनहार्ट, फोर्टेस्क्यू फ्यूचर इंडस्ट्री के कार्यकारी चेयरमैन एंड्रयू फॉरेस्ट और ऑस्ट्रेलियनसुपर के सीईओ पॉल श्रोडर के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

साक्षात्कार की बड़ी बातें- इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, संचार के समुद्री मार्गों की सुरक्षा एवं समुद्री डकैती जैसी कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और भारत का मानना है कि इनका समाधान केवल साझा प्रयासों से ही किया जा सकता है। 'द ऑस्ट्रेलियन' अखबार को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि वह एक 'खुला और मुक्त' हिंद-प्रशांत सुनिश्चित करने में सहायता के लिए रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों सहित ऑस्ट्रेलिया के साथ रिश्तों को 'अगले स्तर' पर ले जाना चाहते हैं। अखबार ने उनके हवाले से कहा, ''मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो आसानी से संतुष्ट हो जाए।'' उन्होंने कहा, ''मैंने देखा है कि प्रधानमंत्री अल्बनीज भी ऐसे ही हैं। मुझे विश्वास है कि जब हम सिडनी में फिर से एक साथ हैं, तो हमें यह पता लगाने का अवसर मिलेगा कि हम अपने संबंधों को अगले स्तर तक कैसे ले जा सकते हैं, कैसे पूरकता के नए क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं और कैसे हमारे सहयोग का विस्तार कर सकते हैं।''

बहरहाल, सिडनी के कार्यक्रम में भारतीयों का उत्साह देख आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने जो कहा वह सबको एक बार फिर जानना चाहिए। उन्होंने कहा कि आखिरी बार मैंने इस मंच पर ब्रूस स्प्रिंगस्टीन को देखा था मगर उन्हें ऐसा स्वागत नहीं मिला जो प्रधानमंत्री मोदी को मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बॉस हैं। वैसे आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने जो आज देखा वह दृश्य भारत अक्सर देखता है जब प्रधानमंत्री की रैलियों में अपार भीड़ एकत्रित होती है। ऐसे दृश्य अक्सर उन देशों में भी देखे जाते हैं जहां प्रधानमंत्री का जाना होता है। खासकर जब प्रधानमंत्री वहां रह रहे भारतीय समुदाय से मिलते हैं तो उन्हें अपने अभिभावक के रूप में पाकर जनता जिस प्रकार का भव्य स्वागत करती है उसे कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष अनोखा दृश्य बता चुके हैं।

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

गृह कलह को शांत करेंगे ये उपाय

गृह कलह के यूं तो बहुत सारे कारण होते हैं, लेकिन ज्योतिष एवं वास्तु की दृष्टि से गृह कलह ग्रहों के दोषपूर्ण या अशुभ दशा होने अथवा भवन में एक या अनेक वास्तु दोष होने से भी गृह कलह उत्पन्न होने की संभावना बनी रहती है। ज्योतिष में गृह कलह का निवारण संभावित गृह कलह के निवारण के लिए वर-कन्या के विवाह से पहले अगर सही तरीके से कुंडली में गुणों का मिलान करवा लिया जाये तो अच्छा रहता है। फलित ज्योतिष के अनुसार मंगल, शनि और राहु ग्रहों के विभिन्न भावों में बैठे होने से उन भावों से सम्बंधित रिश्तों में मतभेद और कलह देखा जा सकता है। इसके निवारण के लिए उस दोषपूर्ण ग्रह से सम्बंधित वस्तुओं का दान करने, मंत्र जप, पूजा-पाठ, रत्न या रुद्राक्ष धारण करने से लाभ मिलता है।

» घर-परिवार में सुख-शांति और प्रेम भाव बनाए रखने के लिए भोजन बनाते समय सबसे पहली रोटी के बराबर चार टुकड़े करके एक गाय को, दूसरा काले कुत्ते को, तीसरा कौए को खिलाना चाहिए तथा चौथा टुका किसी चौराहे पर रख देना चाहिए। घर के पूजा घर में अशोक के सात पत्ते रखें। उनके मुरझाने पर तत्काल नए पत्ते रखकर पुराने पत्ते पीपल के वृक्ष नीचे रखने से गृह कलह दूर होने लगता है।

» अगर परिवार में कलह के कारण मानसिक तनाव और परेशानी हो रही हो तो एक पतंग पर अपनी परेशानी लिखकर सात दिनों तक उसे उड़ाकर छोड़ देने से समस्या का समाधान होता है। पति और पत्नी के बीच झगड़ा होता हो तो घर में विधि-विधान से स्फटिक के शिवलिंग स्थापित करके इकतालीस दिनों तक उस पर गंगा जल और बेल पत्र चढ़ाएं तथा ' ? नम: शिवशक्तिस्वरूपाय मम गृहे शांति कुरु कुरु स्वाहा' मंत्र का ग्यारह माला जप करने से झगड़ा शांत होने लगता है।

» छोटी-छोटी बातों पर होने वाले विवादों को रोकने के लिए

केवल सोमवार अथवा शनिवार के दिन गेहूं पिसवाते समय एक सौ ग्राम काले चने भी मिलवाएं। इस आटे की रोटी खाने से भी गृह कलह दूर होता है।

» यदि चंद्र ग्रह के अशुभ या दूषित होने से परिवार में अक्सर कलह रहती है तो इसके लिए रविवार रात में अपने सिरहाने स्टील या चांदी के एक गिलास में गाय का थोड़ा सा कच्चा दूध रखें और प्रात:काल उसे बबूल के पेड़ पर चढ़ा दें।

» इन उपायों के साथ-साथ घर में बबूल की धूनी देने, गणेश एवं पार्वती की आराधना करने, चींटियों को शक्कर डालने, पूर्व दिशा की ओर सिरहाना करके सोने, हनुमान जी की उपासना करने, सेंधा नमक मिश्रित पानी से घर में पोछा लगाने आदि से भी गृह कलह दूर होकर शांति बनी रहती है।

» वास्तु शास्त्र के अनुसार भी अगर भवन में कोई वास्तु दोष है तो गृह कलह संभव है। इसके लिए घर के प्रवेश द्वार के सामने यदि कोई पेड़ नुकीला कोना, मंदिर की छाया, हेंड पंप आदि हैं तो उन्हें या तो हटवा दें अथवा अपने द्वार को सरकवा दें।

» घर के अंदर युद्ध, डूबती नाव, जंगली जानवर, त्रिशूल, भाले आदि के चित्र अथवा प्रतिमा रखने से बचें। बेडरूम में दर्पण ऐसी जगह लगाएं जहां से सोते समय अपना प्रतिबिंब न दिखाई दे।

» अगर घर की दीवारों का प्लास्टर उखड़ा हुआ है तो उसे तत्काल ठीक कराएं। भवन में किचन उत्तर-पश्चिम दिशा में न रखें अन्यथा गृह कलह होने की संभावना बनी रहेगी।

मोटापे से बढ़ जाता है लिवर का खतरा

मोटापे से किशोरों में लिवर संबंधी गंभीर बीमारी या उम्र बढ़ने के साथ यकृत कैंसर के होने का खतरा ज्यादा रहता है। शोधकर्ता ने अपने निष्कर्ष में बताया कि सामान्य वजन वाले पुरुषों की तुलना में मोटापाग्रस्त पुरुषों में उम्र बढ़ने के साथ लिवर की बीमारी होने की संभावना दोगुने से ज्यादा होती है। मोटापा और टाइप 2 मधुमेह वाले पुरुषों में समान्य लोगों की तुलना में लिवर की समस्या होने की संभावना तीन गुनी ज्यादा होती है।

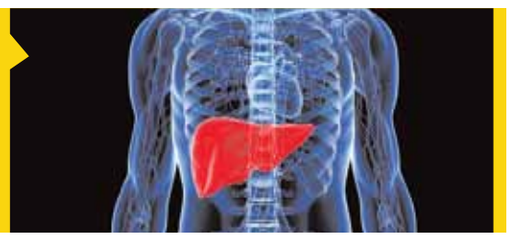

बीयर बुरी नहीं आपकी सोच है बुरी

बीयर पीना या न पीना आपकी इच्छा पर निर्भर करता है। लेकिन, हम यहां आपको बता रहे हैं कि ऐसे कारण जिन्हें पढ़कर आपको ज्ञात होगा कि अगर इसका सेवन संतुलित मात्रा में किया जाए तो बीयर आपके लिए क्यों नुकसानदेह नहीं है। याद रखें, हम आपको बीयर पीने के लिए प्रेरित नहीं कर रहे। अगर आप शराब नहीं पीते या आपको कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिये।

बीयर पीने वाले लंबा जीते हैं

संतुलित मात्रा में बीयर पीना आपकी सेहत के लिए अच्छा होता है। हां, ज्यादा मात्रा जरूर आपकी सेहत बिगाड़ सकती है। अगर आप ज्यादा पीते हैं, तो आपको कैंसर जैसी कई खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं, लेकिन अगर आप बिलकुल ही नहीं पीते, तो यह भी आपकी सेहत के लिए अच्छा नहीं। कई शोध यह बता चुके हैं कि संतुलित मात्रा में पीने वाले, ज्यादा पीने वालों या बिलकुल ही न पीने वालों की अपेक्षा अधिक लंबा जीवन जीते हैं। बीयर संतुलित मात्रा में पीने के लिए उपयुक्त है। इसमें एल्कोहल की मात्रा वाइन और व्हिस्की आदि की अपेक्षा कम होती है।

कुदरती होती है बीयर

कुछ लोग मानते हैं कि बीयर में कई प्रिजरवेटिव मिलाये जाते हैं। लेकिन, सच्चाई यह है कि बीयर ओरेंज जूस जितनी ही कुदरती होती है। और कई मामलों में उनसे भी ज्यादा। क्योंकि पैक्ड ओरेंज जूस और मिलावटी दूध के नुकसानों के बारे में हम जानते ही हैं। बीयर को प्रिजरवेटिव की जरूरत नहीं होती। इसमें एल्कोहल और होप्स होता है। ये दोनों ही कुदरती प्रिजरवेटिव हैं। बीयर को बनाने की प्रक्रिया ब्रेड जैसी ही है। इसे भी पकाया और किण्वित किया जाता है।

कोलेस्ट्रॉल स्तर में सुधार

बीयर में कोलेस्ट्रॉल नहीं होता, लेकिन यह आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सुधारती है। संतुलित मात्रा में बीयर का सेवन करना शरीर में गुड और बेड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित करती है। बीयर शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाती है।

विटामिन बी होता है भरपूर

बीयर और खासकर अनफिल्टर या लाइट बीयर, बहुत ज्यादा पौष्टिक होती है। बीयर में विटामिन बी के सभी रूप उच्च स्तर में होते हैं। इसमें फॉलिक एसिड होता है जो हार्ट अटैक से बचाने में मददगार होता है। बीयर में घुलनशील फाइबर होता है, जो आपको रोजमर्रा के काम करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा देता है। इसके साथ ही यह फाइबर हमारे शरीर में जमा अतिरिक्त वसा और गंदगी को निकालने में मदद करता है।

पानी से अधिक सुरक्षित है बीयर

अगर आप किसी ऐसे स्थान पर हैं, जहां आपको पानी न पीने की सलाह दी जाती है, तो आप बीयर पी सकते हैं। यह ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। बीयर को उबालकर बनाया जाता है। इसके बाद सीलबंद होने तक इसमें स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। यदि यह स्वच्छ न होती, तो शायद इसे बेच पाना भी असंभव होता। अगर बीयर बुरी भी हो, तो उसमें कोई जानलेवा बैक्टीरिया नहीं होता। तो, आप बेफिक्र होकर बीयर पी सकते हैं। यह पानी से सुरक्षित होती है।

कैंसर से लड़े

बीयर का सबसे कमाल का फायदा यह है कि यह कैंसर से लड़ने में मददगार होती है। बीयर बनाने में इस्तेमाल होने वाले पौधे होप्स में एक्सनथोहूमोल पाया जाता है, जो कैंसर से लड़ने में मदद करता है। यह एंटी-ऑक्सीडेंट केवल और केवल बीयर में ही मिलता है।

बीयर से पेट नहीं निकलता

पेट निकलने और बीयर के सेवन के बीच कोई समानता नहीं है। आमतौर पर माना जाता है कि बीयर पीने वाले, बीयर न पीने वालों की अपेक्षा अधिक मोटे होते हैं। कई शोध तो यह दावा करते हैं कि संतुलित मात्रा में बीयर पीने वाले लोगों का पेट और वजन बीयर न पीने वालों की अपेक्षा कम होता है।

कैलोरी की मात्रा है कम

बीयर में कैलोरी बहुत कम होती है। इसमें कार्बोहाइड्रेट बहुत कम होता है। वसा या कोलेस्ट्रॉल बिलकुल नहीं होती। लगभग 12 औंस बीयर में 156 कैलोरी के साथ 14 एमजी सोड़ियम, 0 वसा, 12.6 ग्राम कार्बोहाइड्रेट और 1 प्रतिशत कैल्शिम पाया जाता है।

किडनी में स्टोन नहीं होता

शोध के अनुसार बीयर पीने से पथरी होने का खतरा कम हो जाता है। 40 % बीयर पीने वाले लोगों में किडनी स्टोन होने का खतरा उन लोगों के मुकाबले काफी घट गया था। जो बीयर नहीं पीते थे। हालांकि शोधकर्ता यह निर्धारित नहीं कर सके। कि बीयर में ऐसी कौन सी चीज शामिल थी। जिसकी वजह से यह हो सका।किड़नी स्टोन में असहनीय दर्द होता है।

अटैक से बचाये

रेड वाइन के अलावा डार्क बीयर में काफी अधिक मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। वाइन अन्य एल्कोहोलिक पेय पदार्थों के मुकाबले अधिक फायदेमंद है। एक रिपोर्ट के मुताबिक रोजाना तीन ड्रिंक पीना दिल की बीमारियों के खतरे को 24.7 फीसदी तक कम कर सकती है।

जींस खरीदते वक्त बिना दुकानदार की बातों में आएं इन बातों का रखे विशेष ख्याल

हममें से ज्यादातर लोग ऐसे होंगे जो अपना अधिकांश समय जींस पहने-पहने ही बिताते हैं. जींस की लोकप्रियता का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि आज के समय में ये हर किसी की आलमारी का हिस्सा बन चुकी है. इसे पहनना काफी आरामदेह है।अगर आप जींस का इस्तेमाल रोजाना करते हैं तो आपको एक ऐसी जींस चाहिए, जो कंफर्टेबल भी हो साथ ही टिकाऊ भी। इन सब के साथ अगर जींस का लुक अच्छा हो तो यह आपके आउटफिट में चार-चांद लगा सकता है। परफेक्ट जींस खरीदना एक चैलेंज जैसा ही है। ये टिप्स आपको एक परफेक्ट जींस खरीदने में मदद करेंगे।

फैब्रिक पर ध्यान दें

जींस खरीदने से पहले फैब्रिक को अच्छी तरह से छूकर देख लें। इससे आपको फैब्रिक की क्वालिटी का पता चल जाएगा। फैब्रिक की क्वालिटी पता करने में जल्दबाजी ना करें। जींस खरीदने से पहले उसके देश और ब्रांड के बारे में जान लें। वैसे जर्मनी के जींस की क्वालिटी काफी अच्छी मानी जाती है।

कॉटन मिक्स हो

जीन्स खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि उसमें 80 से 100 प्रतिशत तक कॉटन मिक्स हो। ऐसी जीन्स की फिटिंग काफी अच्छी होती है। कई छोटे-मोटे ब्रांड कुछ और फैब्रिक को भी जीन्स के साथ मिक्स कर देते हैं, जैसे स्पैंडेक्स, जो देखने में तो अच्छी लगती है लेकिन फिटिंग में बेकार होती है। अगर जींस लिनेन मिक्स भी हो तो भी एक परफेक्ट फिट देती है।

कम्फर्ट जोन से बाहर निकलें

हमेशा एक जैसी जींस मत खरीदिये। कम्फर्ट जोन से बाहर निकलें और कुछ नया ट्राय करें। ज्यादातर लोग एक ही तरह की जींस पहनते हैं। जबकि ये गलत है। इससे साइज का पता नहीं चलता। जबकि हर उम्र में शरीर का साइज बदलता है तो ऐसे में जरूरी है कि जींस का साइज हमेशा बदलते रहें।

स्टाइल और डिजाइन

समय के साथ कई स्टाइल्स ट्रेंड बन जाते हैं। हम आपको बताना चाहते हैं कुछ ऐसे स्टाइल्स जो आपको हमेशा इग्नोर ही करने चाहिए। जैसे आपकी बैक पॉकेट डिजाइन वाली न हो, ड्रमाटिक वॉश पैटर्न न हो। साथ ही ऑवर डिजाइन न हो। डिजाइन सिंपल हो और उसका लुक क्लासिक हो।

ऑकेजन का रखें ध्यान

जींस चुनने से पहले आपको इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि आप किस उद्देश्य के लिए खरीदारी कर रहे हैं। ऑफिस में कैजुअल थीम के लिए या फिर दोस्तों के साथ डे-आउट के लिए। अगर आप ऑफिस के लिए चुन रहे हैं तो आपकी जींस सिंपल और क्लासी होनी चाहिए। अगर दोस्तों के साथ डे-आउट पर जा रहे हों तो आप नैरो फिट जींस भी ट्राई कर सकते हैं।

मस्तिष्क के दोनों भागों को सक्रिय करने के तरीके

एक अवधारणा रही है कि मनुष्य अपने दिमाग का प्रयोग शत-प्रतिशत नहीं कर पाता है। लेकिन एक सिद्धांत की मानें तो मस्तिष्क के दो भाग होते हैं, दोनों भाग स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं तथा आपस में लगभग 200 मिलियन नर्व फाइबर्स से जुड़ होते हैं, इसे कारपस केलोसम' नाम से जाना जाता है। इसका मुख्य कार्य है मस्तिष्क के एक भाग से दूसरे भाग को यह कहना है कि वह क्या कर रहा है। मस्तिष्क के ये दोनों भाग देखने में एक-दूसरे के प्रतिबिम्ब लगते हैं, परन्तु उनके कार्यों में काफी अंतर होता है। सामान्यतया मस्तिष्क के दोनों अंग सक्रिय नहीं होते हैं, इसे सक्रिय करने के लिए ये तरीके आजमायें।

शांत और स्थिर मन

मस्तिष्क के दांयें और बांयें हिस्सों के बीच सामंजस्य बढाने का एक सबसे अच्छा तरीका यह है कि अगर कोई इंसान अपने स्थूल शरीर को शांत और स्थिर रख सकता है, तो शरीर की निश्चलता की इस स्थिति में मस्तिष्क एक बड़े पैमाने पर जुड़ जाता है। इससे किसी भी चीज को जल्दी और आसानी से सीखा जा सकता है।

सिल्वा ध्यान

उन्होंने सिल्वा ध्यान विधि का प्रचार किया था। उन्होंने बाएँ हाथ से काम करने वालों को मस्तिष्क के बाएँ हिस्से पर चेतन मन को आँखें बंद करके पहुँचाने और एकाग्रता करने के लिए सचेत किया था। उसी प्रकार जो व्यक्ति दाहिने हाथ से कार्य करते हैं, उन्हें दाहिने मस्तिष्क के भाग पर चेतन मन को केंद्रित करके ध्यान करने की विधि बताई थी।

प्राणायाम

प्राणायाम करते समय दोनों स्वर (नाक के भाग) चलने स मस्तिष्क के दोनों भागों को प्राणवायु का संचार होने लगता है और मस्तिष्क के दोनों भाग समान रूप से उन्नत होते हैं। प्राणायाम में अनुलोम-विरोम, सूर्यभेदि प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम एवं उज्जयी प्राणायाम मस्तिष्क के विकास में अत्यधिक मदद करते हैं।

ध्यान के फायदे

ध्यान से मस्तिष्क दोनों के भाग का संपूर्ण विकास होकर तनाव निर्माण करने वाले हार्मोंस कम बनते हैं और उपयुक्त हार्मोन्स जैसे मेलाटोनीन, सायटोसीन, डोपामीन और ऑक्सीटोसिन का अधिक निर्माण होने से क्रियाशीलता, नूतन विचार, समस्याओं का हल, प्रेमभाव, समझने की शक्ति, कार्य करने की इच्छा आदि बढ़ने लगती है।

ये हैं ग्रीन-टी पीने का सही समय

फिट रहने के लिए कई लोग ग्रीन-टी का सेवन करते हैं। यह शरीर की फिटनेस ही नहीं सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट शरीर का मोटापा कम करने में मदद करते हैं लेकिन कुछ लोग जल्दी पतले होने की चाह में दिन में कई बार इसका सेवन कर लेते हैं जिससे शरीर को नुकसान भी हो सकता है। इससे शरीर में आयरन की कमी हो जाती है और पेट की भी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसके लिए ग्रीन-टी सही समय और उचित मात्र में पीएं जिससे सेहत को फायदा मिले।

सही समय ग्रीन-टी पीने का सही समयग्रीन-टी से शरीर को फायदा पहुंचाने के लिए इसको सही समय पर पीना बहुत जरूरी है। भोजन करने से 1 या 2 घंटे पहले ग्रीन-टी का सेवन करें।

खाली पेटसुबह खाली पेट न पियें ग्रीन-टी पीने से मोटापा कम होता है इसलिए कई लोग इसे खाली पेट पीना पसंद करते हैं जिससे चर्बी जल्दी कम हो लेकिन खाली पेट पीने से काफी नुकसान होता है। इसमें कैफिन होता है जिसे खाली पेट पीने से आंतों की कई समस्याएं हो जाती हैं।

गर्म पानी गर्म पानी

कुछ लोग ग्रीन-टी को आम चाय की तरह बना कर पीते हैं। इसमें दूध और शक्कर डालकर पीने से शरीर को कोई फायदा नहीं होता और न ही मोटापा कम होता है। इसके लिए हमेशा गर्म पानी का ही इस्तेमाल करें।

शहद जिस तरह गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने से वजन कम होता है उसी तरह ग्रीन-टी में भी शहद मिलाकर पीएं। ग्रीन-टी से पेट की पाचन शक्ति ठीक रहती है और शहद से पेट की चर्बी जल्दी कम होती है। ऐसे में इन दोनों का साथ में सेवन करने से काफी फायदा होता है।

एक दिन में केवल 2-3 कप-एक दिन में केवल 2-3 कपखाने के तुरंत बाद कभी भी ग्रीन-टी का सेवन न करें। इसके अलावा दिन में कम से कम 2-3 कप ग्रीन-टी ही पीएं। इसके अधिक सेवन से लीवर को नुकसान होता है।

रेसिपी

मखाना चिक्की

सामग्री

मखाने - 100 ग्राम
घी - 200 ग्राम
चीनी - 500 ग्राम
दूध - 1 बड़ा चम्मच

विधि

सबसे पहले सारे मखानों को चार टुकड़ों में काट लीजिए। कड़ाही में घी डाल कर गर्म कीजिए। इसमें थोड़े-थोड़े मखाने डालकर हल्के गुलाबी होने तक तल कर निकाल लीजिए। सारे मखाने को ऐसे ही तल कर रख लीजिए। चाशनी बनाने के लिए कड़ाही में शक्कर और इसका एक तिहाइ पानी डालकर गर्म कर लें। शक्कर घुल जाने के बाद इसमें दूध डाल दीजिए। जब भूरे रंग के झाग ऊपर उठने लगे तो चम्मच की मदद से झाग को बाहर निकाल दीजिए। इस प्रकार गाढ़ी चाशनी तैयार कर लीजिए। अब इस चाशनी में तले हुए मखाने डालकर कलछी से चलाते हुए मिलाइये। इस मिश्रण को घी लगे हुए थाली में निकालकर फैला दीजिए। थोड़ी ही देर में ये जम जाता है। इसे टुकड़ों में काट तक एयर टाइट कंटेनर में रख लीजिए। इसे आप काफी दिनों तक रख सकते हैं।

दही अरबी

सामग्री

अरबी - 250 ग्राम, दही - 150 ग्राम (3/4 कप), तेल - 1-2 चम्मच, अजवायन - आधी छोटी चम्मच, हींग - 1-2 पिंच, हरी मिर्च - 2-3 (बारीक कतरी हुई), हल्दी पाउडर-एक चौथाई छोटी चम्मच, धनियां पाउडर - आधी छोटी चम्मच, लाल मिर्च पाउडर - एक चौथाई छोटी चम्मच, नमक - स्वादानुसार, गरम मसाला - 1/4 छोटी चम्मच से कम, हरा धनियां - 1 एक बड़ा चम्मच

विधि

सबसे पहले अरबी को धो कर उबाल लीजिये। ठंडा करने के बाद इसे छील कर आधा इंच मोटे और गोल टुकड़ों में काट लीजिए। अब दही को अलग से फेंट लीजिए। इस एक बर्तन में रखकर इसमें अरबी डालें और एक से दो कप पानी मिला दें। इस मिश्रण को गैस पर रखकर तब तक उबालें जब तक सब्जी में उबाल ना आ जाए। उबल जाने पर सब्जी को चलाना बंद कर दें और इसमें नमक, धनिया पाउडर और गरम मसाला डाल दीजिए। तीन से चार मिनट तक पकने देने के बाद गैस बंद कर दें। अब एक छोटी कड़ाही में तेल गर्म करें और इसमें हींग और अजवायन डालें। इसके बाद इसमें हरी मिर्च, हल्दी पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डाल कर हल्का सा भूनें। इन सभी को अच्छे से मिला कर सब्जी में डाल कर अच्छे से मिक्स कर दें। दही अरबी तैयार है। धनिया की पत्ती से सजायें, इसे आप पूरी, पराठे के साथ सर्व करें।